''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 01, अंक 242 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए रविवार, 17 नवंबर 2024 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

गावों के विकास और जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रदेश सरकार पूर्णतया प्रतिबद्ध : राज्यमंत्री राजेश नागर

राज्यमंत्री राजेश नागर ने गांव नीमका में 07 करोड़ रुपए की लागत से होने वाले विकास कार्यो के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार में राज्यमंत्री राजेश नागर ने कहा कि जिला के हर गांव के समुचित विकास और जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रदेश सरकार पूरी कटिबद्धता के साथ विकास कार्य कर रही है। हरियाणा सरकार में राज्यमंत्री राजेश नागर ने आज गांव नीमका में 07 करोड़ रुपए की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यो के निर्माण कार्य का गांव के बुजुर्गों से नारियल तुड़वाकर विधिवत तरीके से शुभारंभ करवाया।

राज्यमंत्री राजेश नागर ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा आमजन के कल्याण की योजना का क्रियान्वयन तेजी से हो रहा है, माताओं-बहनों को गैस चूल्हा का वितरण, पीएम आवास की योजना समेत अन्य योजनाओं का लाभ आमजन को मिल रहा है। किसी भी विकास कार्य के लिए फंड की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। सभी गावों में सड़क और नाली निर्माण की सबसे अधिक जरुरत है। प्राथमिकता के आधार पर सड़क, नाली निर्माण कराया जा रहा है। ताकि आवागमन और पानी निकासी की व्यवस्था बेहतर हो सके। उन्होंने कहा कि कहा कि भाजपा की वर्तमान केंद्र व हरियाणा सरकार लोगों का चहुमुखी एवं सर्वांगीण विकास करने में जुटी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबका साथ -सबका विकास जैसी अनूठी सोच तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश में विकास की बयार बह रही है।

राज्यमंत्री राजेश नागर ने आज गांव नीमका में विभिन्न विकास कार्यों जैसे चौपाल के जीर्णोद्धार कार्य, तालाब की सफाई, शमशानघाट के पास नाली के निर्माण के साथ विभिन्न सड़क भागों में इंटरलॉकिंग टाइलें और 02 ट्यूबवेल की स्थापना जैसे कार्य शामिल है।

इस अवसर पर धर्मपाल नागर, जयपाल नंबरदार, अजीत सरपंच, रूपी सरपंच, अजयवीर, सुभाष चंदीला, राजवीर, भूपेंदर भाटी, जयवीर चंदीला, दयानन्द नागर, डॉ आर इस नागर, जेपी अधाना, श्याम सरपंच, कृष्ण पंडित, रिछपाल नागर, अजय चंदीला, रवि नंबरदार, राजेंद्र नागर, देवेंद्र तंवर, आजाद नागर, रामनिवास नागर, वेगराज चंदीला, कृष्ण पहलवान, जगत, कृष्ण हांडा, चतर चंदीला सहित अन्य कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

फरीदाबाद में ग्रैप-3 की पाबंदियां लागू: उपायुक्त ने प्रदूषण रोकने के लिए सख्त निर्देश दिए

प्रदूषण नियंत्रण के लिए ग्रेप तीन के नियमों की सख्ती से पालना जरूरी : डीसी

डीसी ने जिले वासियों से वायु प्रदूषण नियंत्रण करने में भागीदार बनने का आह्वान किया

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। उपायुक्त विक्रम क्रम सिंह ने कहा कि बढ़ता हुआ वायु प्रदूषण हम सबके लिए चिंता का विषय है, जिसका हमारे स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है। वायु प्रदूषण नियंत्रण को लेकर ग्रैप नियमों की सख्ती से पालना करना बेहद जरूरी है। डीसी ने केंद्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की ओर से फरीदाबाद सहित एनसीआर क्षेत्र में लागू किए गए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) श्री के तहत संबंधित विभागों को जरूरी दिशा निर्देश दिए हैं।उन्होंने कहा सभी जिलावासी वायु प्रदूषण को नियंत्रण करने वाले उपायों में सक्रिय रूप से भागीदार बनें। डीसी ने कहा कि जिला में ग्रेप- तीन की पाबंदी लागू हो गई हैं, जिसके लिए हमें प्रदूषण नियंत्रण उपायों को पूरी गंभीरता से अपनाना होगा।

डीसी ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, शहरी निकायों, एसएसआईआईडीसी सहित अन्य संबंधित विभागाध्यक्षों को कड़े निर्देश दिए कि वे जिला में बढ़ते प्रदूषण स्तर को नियंत्रित करने के लिए सख्त कदम उठाएं। सभी विभाग जिला में एयर क्वालिटी इंडेक्स यानी वायु गुणवत्ता सूचकांक को नियंत्रित रखने लिए जमीनी स्तर पर मिलकर काम करें। सभी ताजा व खुली हवा में सांस ले सकेंगे। प्रदूषण को लेकर एनजीटी की गाइडलाइन पूरी तरह से स्पष्ट और सख्त है।

डीसी ने कहा केंद्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की ओर से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आने वाले फरीदाबाद सहित साथ लगते जिलों में बढ़ते प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए विस्तार से दिशा निर्देश आदेश जारी किए गए हैं। विभागों को उनकी जिला में सख्ती से पालना सुनिश्चित करानी होगी।संबंधित विभागाध्यक्ष नोडल अधिकारी की नियुक्ति करते हुए नियमित रूप से एटीआर भिजवाना सुनिश्चित करें।

ग्रेप नियमों की अनदेखी करने पर होगी कार्रवाई

डीसी ने नगर निगम, एसएसआईआईडीसी, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, एचएसवीपी, खनन, निर्माण कार्य से जुड़े विभागों को निर्देश दिए कि वे जिला में कंस्ट्रक्शन साइट व औद्योगिक इकाइयों की नियमित रूप से विजिट करते हुए चेकिंग करें और ग्रैप नियमों की अनदेखी, अनियमितताएं व कोताही पाए जाने पर उनके खिलाफ एक्शन लेते हुए तत्काल कार्रवाई करें।

जगह-जगह होगा पानी का छिड़काव

डीसी ने कहा कि हाई डस्ट क्षेत्र को चिह्नित करते हुए जरूरी कदम उठाए जाएं। वहीं कूड़े के ढेरों में आगजनी की मॉनिटरिंग की जाए,सभी प्रमुख सड़कों पर जहां यातायात ज्यादा है। ऐसे स्थानों पर नियमित रूप से पानी छिड़काव करवाया जाए। आरडब्लूए व अन्य एसोसिएशन से संपर्क करते हुए ग्रैप तीन के नियमों की पालना कराई जाए। डीसी ने संबंधित अधिकारियों को कंस्ट्रक्शन साइट, औद्योगिक इकाइयों का औचक निरीक्षण करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। शहरी क्षेत्र में सप्रिंकलर के जरिए नियमित रूप से पानी का छिड़काव कराने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर कलमकारों को दी शुभकामनाएं

राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को मेडिकल कैशलेस की सुविधा प्रदान करने की करी घोषणा

राज्य सरकार पत्रकारों के कल्याण के लिए ले रही निरंतर फैसले

पत्रकारों की हाउसिंग सोसाइटी की मांग भी सरकार के विचाराधीन

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर मीडिया के सभी बंधुओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए पत्रकारों के लिए कर्मचारियों की तर्ज पर मेडिकल कैशलेस की सुविधा प्रदान करने की घोषणा की। साथ ही, पत्रकारों की हाउसिंग सोसाइटी की मांग पर मुख्यमंत्री ने आश्वासन देते हुए कहा कि यह मामला सरकार के विचाराधीन है और सरकार इसे गंभीरता से देख रही है। मुख्यमंत्री आज यहाँ राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में पत्रकारों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने राष्ट्र, समाज तथा लोगों को दी जा रही सेवा के लिये पत्रकारों की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में मीडिया अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा में पत्रकारों की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमारी लोकतंत्रीय प्रणाली में पत्रकारिता को लोकतन्त्र का चौथा स्तम्भ माना जाता है तथा इसे समाज के सजग प्रहरी के रूप में भी जाना और पहचाना जाता है। समाचार पत्र तथा पत्रिकाएं सरकार और जनता के बीच एक मज़बूत कड़ी का काम करते हैं। सरकार की सभी प्रगतिशील एवं कल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने और जनता के विचारों से सरकार को अवगत कराने में पत्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हरियाणा सरकार द्वारा पत्रकारों की दिये जा रहे मान एवं सम्मान का उल्लेख करते हुए श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार उनके कल्याण के लिये सरकार सदैव तत्पर रहती है। उन्होंने कहा की पूर्व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने पत्रकारों की पेंशन की मांग को एक मुकाम पर पहुँचाया। फिलहाल 60 वर्ष से अधिक की आयु के पत्रकारों को 15000 रुपये मासिक पेंशन का लाभ मिल रहा है। इसके अतिरिक्त, पेंशन योजना में दो महत्वपूर्ण संशोधनों को राज्य सरकार ने स्वीकृति प्रदान की है जिसके तहत यदि पत्रकार के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज़ हो जाता है तो भी पेंशन की सुविधा जारी रहेगी। साथ ही अब परिवार में एक से अधिक सदस्यों को भी पेंशन का लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त मान्यताप्राप्त पत्रकारों को वॉल्वो सहित हरियाणा रोडवेज की बसों में एक वर्ष में 4000 किलोमीटर तक मुफ्त यात्रा की सुविधा भी दी जा रही है। उन्होंने कहा राज्य सरकार पत्रकारों के कल्याण के लिए निरंतर फैसले ले रही है और आने वाले दिनों में पत्रकारों की सभी लंबित मांगों पर विचार करते हुए पूरा किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा की वर्तमान सोशल मीडिया के दौर में उनकी जिम्मेवारी और अधिक बढ़ गई है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि पत्रकार ऐसे ही उत्साह के साथ देश व राष्ट्र तथा लोगो को जागरूक करने का कार्य रखेंगे । साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के तौर पर मीडिया इसी प्रकार अपनी प्रतिष्ठा को बनाये रखते हुए राष्ट्र की सेवा करना जारी रखेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के विशेष कार्य अधिकारी श्री वीरेंदर सिंह बढ़खालसा, सूचना जन सम्पर्क और भाषा विभाग की अतिरिक्त निदेशक श्रीमती वर्षा खांगवाल, उप निदेशक श्री देवेंदर शर्मा सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से एचईआरसी अध्यक्ष ने की भेंट, विद्युत क्षेत्र के कई महत्वपूर्ण विषयों पर हुई चर्चा

थर्मल प्लांटों को दुरुस्त करना, सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना, केंद्र की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने पर हुआ विचार-विमर्श

विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 86(2) के तहत एचईआरसी राज्य सरकार को विद्युत क्षेत्र में सुधार के लिए देता है तकनीकी सुझाव

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग (एचईआरसी) के अध्यक्ष नन्द लाल शर्मा ने शुक्रवार देर शाम प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की। नवनियुक्त सरकार के कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत यह एचईआरसी अध्यक्ष की मुख्यमंत्री से पहली मुलाकात थी।

बैठक के दौरान विद्युत क्षेत्र में सुधार, सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने, थर्मल पावर प्लांटों को दुरुस्त करने और विद्युत क्षेत्र से संबंधित केंद्र सरकार की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही एग्रीगेट ट्रांसमिशन एंड कमर्शियल लॉस (एटीएंडसी) को कम करने के महत्व पर भी चर्चा की गई, जिसमें बिजली वितरण क्षमता बढ़ाने, राजस्व घाटे को कम करने और हरियाणा में अधिक विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

उल्लेखनीय है कि विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 86(2) के तहत राज्य विद्युत विनियामक आयोग राज्य सरकार को राज्य में बिजली उद्योग के पुनर्गठन, पुनर्संरचना, उत्पादन, प्रसारण और वितरण जैसे विषयों पर तकनीकी सलाह देता है। इसी के तहत एचईआरसी अध्यक्ष की मुख्यमंत्री से मुलाकात हुई। इस दौरान हरियाणा के थर्मल प्लांटों को दुरुस्त करने, सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने और रूफटॉप सोलर योजनाओं को अधिक प्रभावशाली ढंग से लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। प्रधानमंत्री की हर घर सूर्य योजना को क्रांतिकारी तरीके से लागू करने के संबंध में भी विचार-विमर्श हुआ।

श्री शर्मा ने मुख्यमंत्री को बताया कि जब वे सतलुज जल विद्युत निगम के सीएमडी थे, तो उन्होंने तत्कालीन केंद्रीय विद्युत मंत्री के साथ मिलकर इस योजना को तैयार करवाने में अपनी भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि यह योजना भारत सरकार के 2030 तक 500 गीगावाट ग्रीन एनर्जी का उत्पादन करने के लक्ष्य को हासिल करने में मील का पत्थर साबित होगी। वर्तमान में एचईआरसी अध्यक्ष के रूप में उनकी भूमिका विद्युत क्षेत्र में बेहतर विनियम बनाना और उनकी प्रभावी पालना सुनिश्चित करवाना है।

श्री शर्मा ने हर घर सूर्य योजना के बारे में बताया कि यह भारत सरकार की एक योजना है, जिसके तहत घरों पर सोलर पैनल लगाकर मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। इस योजना की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 फरवरी, 2024 को की थी। यह योजना गरीबों के जीवन में उजाला लाने का काम करेगी। अंत्योदय परिवारों को सोलर पैनल लगाने पर सबसिडी दी जाती है। इससे केंद्र सरकार को हर साल करीब 75,000 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है।

इसके अतिरिक्त, बैठक में विद्युत क्षेत्र की मौजूदा चुनौतियों और उनके समाधान पर भी चर्चा हुई। इस वर्ष 31 जुलाई को राज्य में बिजली की अधिकतम खपत करीब 14,662 मेगावाट तक पहुंच गई थी, जिसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया। वर्तमान में प्रदेश में 14,943.92 मेगावाट बिजली की स्थापित क्षमता है और बिजली उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर लगभग 81 लाख हो गई है।

कांग्रेस को भ्रष्टाचार में महारत हासिल, भाजपा भ्रष्टाचार को मिटाने में जुटी : पं. मोहन लाल बड़ौली

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़/झज्जर। सदस्यता अभियान के लिए झज्जर पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस को भ्रष्टाचार में महारत हासिल, लेकिन भारतीय जनता पार्टी भ्रष्टाचार को पूरी तरह मिटाने में जुटी हुई है। प्रदेश अध्यक्ष ने झज्जर जिले के कार्यकर्ताओं को ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी से जोड़ने के लिए भी कहा।

मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस शासन में जमीन से लेकर आसमान तक करोड़ों के घोटाले हुए हैं। कांग्रेस की बदनीयती को जनता ने समझा और कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर भाजपा को शासन सौंपा। अब भाजपा सरकार बनाकर जनसेवा में जुटी है। भाजपा का सदस्यता अभियान सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है और 50 लाख का लक्ष्य जल्द ही प्राप्त कर लेंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश की जनता के साथ बहुत बड़े-बड़े धोखे किए हैं और भ्रष्टाचार से सरकारें चलाई हैं। कांग्रेस द्वारा बढ़ रही गरीबी की सीबीआई से जांच कराने के बारे में पत्रकार द्वारा पूछे गए सवाल पर श्री बड़ौली ने कहा कि 2014 में केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी और हमने पारदर्शी तरीके से काम किया। युवाओं को बिना पर्ची और बिना खर्ची के रोजगार दिया है और उनके परिवार गरीबी रेखा से ऊपर उठ रहे हैं। एचकेआरएन के जरिए भी गरीब युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर नौकरियां दी जा रही है। मुद्रा लोन के जरिए रोजगार बढ़ाने का काम किया जा रहा है। भाजपा सरकार गरीब उत्थान के लिए बहुत सारे काम कर रही है। गरीब का हक गरीबों के घर तक पहुंच रहा है। भाजपा सरकार में सही मायने में गरीबों को न्याय मिला है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस की देश व प्रदेश में जब-जब सरकार बनी भ्रष्टाचार बढ़ा है। देश और प्रदेश की जनता ने 2014 में भाजपा की सरकार बनाई और इन 10 वर्षों में सरकारी पैसे का कहीं भी दुरुपयोग नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार पर रोक लगाने का काम किया है। अब भी अगर कोई भ्रष्टाचार का प्रयास करता है तो उसे कानून के हिसाब से सजा दी जा रही है।

विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने झूठ का नेरेटिव सेट किया था

पत्रकार के एक अन्य सवाल पर बोलते हुए पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता पार्टी के काम में लगा रहता है। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने झूठ का नेरेटिव सेट किया और ऐसा माहौल बनाया कि कांग्रेस की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि कुछ कार्यकर्ता भ्रमित होकर कांग्रेस में शामिल हो गए थे। भाजपा के संगठन के पास सभी की जानकारी है। उन्होंने कहा कि संगठन की बहुत सारी आंखें हैं जिन कार्यकर्ताओं ने पार्टी में रहते हुए पार्टी हित में काम नहीं किया उनकी भी पहचान की जा रही है।

अभी नई ज्वाइनिंग पर रहेगी रोक

पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि अभी हम पटका पहनाकर नई ज्वाइनिंग नहीं करा रहे हैं, हमारा सदस्यता अभियान पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन की नई रचना व प्रक्रिया जारी है। बूथ, मंडल, जिला और प्रदेश की नई कमेटियां बननी है। जब तक ये प्रक्रिया चलेगी तब तक नई ज्वाइनिंग नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास संगठन को और अधिक मजबूत करना है। पिछले चुनाव और 2024 के चुनाव का आंकड़ा बताता है कि भाजपा लगातार मजबूत हो रही है।

अपनी शादी, जन्मदिन और विवाह की वर्षगांठ की फोटो हमें भेजें। नोट: मेल में नाम, पता और मोबाईल नंबर जरूर लिखें।

samachargate@gmail.com

प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक टोल फ्री नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112, 100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

जानकारी

सीने में जलन को न करें इग्नोर, हो सकती हैं ये गंभीर बीमारियां

गलत खान पान की वजह से लोगों का डाइजेशन सिस्टम खराब हो जाता है जिससे उन्हें एसिडिटी की समस्या हो जाती है। पेट में गैस होने पर सीने में जलन होने लगती है लेकिन अगर यह समस्या लंबे समय तक बनी रहे और दवा खाने के बाद भी कोई फर्क न पड़े तो यह किसी गंभीर बीमारी के संकेत हो सकते हैं। अधिक समय तक एसिडिटी और जलन की वजह से कैंसर और पेट का अल्सर की समस्या हो सकती है। ऐसे में कुछ सावधानियां बरत कर सीने में जलन की समस्या को कम किया जा सकता है। आइए जानिए इसके लक्षण और सावधानियों के बारे में

लक्षण

- लंबे समय तक सीने में जलन होना
- मुंह का स्वाद खराब रहना और खट्टे डकार आना
- हमेशा छाती में दर्द
- खाने को निगलने में मुश्किल और दर्द होना
- सूखी खांसी
- अधिक देर तक गले में खराश
- गले में गांठ या टॉन्सिल होना

बरतें ये सावधानियां

- ज्यादा धूम्रपान करने से सीने में जलन की समस्या हो जाती है। ऐसे में अगर आपको भी हमेशा एसिडिटी रहती हो तो सिगरेट पीना बंद करें।
- सीने में जलन की समस्या को ठीक करने के लिए एल्कोहल का सेवन न करें।
- एसिडिटी और अफारा का मेन कारण मोटापा है। ऐसे में सबसे पहले वजन कम करें।
- फ्राइड फूड खाने की वजह से भी सीने में जलन होने लगती है। ऐसे में तला-भूना खाना अवॉयड करना चाहिए।

गलत तरीके से खाएंगे ये हेल्दी फूड्स तो बढ़ जाएगी एसिडिटी

गलत खान-पान के कारण बहुत से लोग पेट में गैस की समस्या से परेशान रहते हैं। पेट में गैस बनने के कारण जलन, सिरदर्द और खट्टे डकार आने लगते हैं, जिससे आपका कहीं आने-जाने का मन भी नहीं करता। मगर क्या आप जानते है पेट में गैस्टिक किन चीजों से बनती है। आज हम आपको कुछ ऐसे हेल्दी फूड्स के बारे में बताने जा रहे है, जोकि पेट की गैस का कारण बनते है। गलत तरीके से इन हेल्दी फूड्स का सेवन एसिडिटी का कारण बन सकते हैं। अगर आप भी गैस्टिक की समस्या से बचना चाहते है तो आज ही इन चीजों का सेवन छोड़ दें।

इन फूड्स से बनती है पेट में गैस

डेयरी उत्पादः डेयरी उत्पाद में लैक्टोज होता हैं, जोकि पेट में गैस के साथ-साथ कभी-कभार पेट में सूजन की समस्या भी बढ़ा देता है। इसलिए जितना हो सके डेयरी उत्पादों से दूर रहे।

प्याजः प्याज में शर्करा जैसे फ्रक्टोज होते हैं जोकि छोटी आंत में ठीक से अवशोषित नहीं होते और जब यह बड़ी आंत की तरफ जाते हैं, तो पेट में गैस बन जाती है। इसलिए कभी भी कच्चे प्यार का सेवन न करें।

तरबूजः गर्मियों में ठंडक के लिए हर कोई बहुत अधिक मात्रा में तरबूज खाना पसंद करता है लेकिन इसमें मौजूद फ्रक्टोज पेट में गैस के साथ सूजन की समस्या भी बढ़ा देता है। इसलिए तरबूज का सेवन कम से कम मात्रा में कम करें।

स्टार्च युक्त आहारः चावल, पास्ता और रोटी जैसे खाद्य पदार्थ खाना तो हर किसी को पसंद होता है। मगर इसमें बहुत अधिक मात्रा में स्टार्च होता है, जोकि आंतों में ठीक से हजम नहीं होता। इसके कारण पेट में गैस बन जाती है।

एंटी-ग्रेविटी एक्सरसाइज है ब्लड शुगर कंट्रोल के लिए बेस्ट

हर साल 14 नवंबर को विश्व डायबिटीज दिवस मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य लोगों को डायबिटीज के प्रति जागरूक करना और ज्यादा से ज्यादा जानकारी फैलाना है। आइए हम आपको बताते हैं डायबिटीज रोगियों के लिए एंटी ग्रेविटी एक्सरसाइज का कि

डायबिटीज रोगियों के लिए एंटी ग्रैविटी एक्सरसाइज का महत्व

डायबिटीज उस स्थिति को कहा जाता है, जब व्यक्ति का ब्लड शुगर लेवल जरूरत से अधिक हो जाता है। ऐसे में आमतौर पर डायबिटीज को कंट्रोल करने के लिए आपको अपने खानपान पर ध्यान देने और कुछ दवाओं की सलाह दी जाती है। वहीं डायबिटीज को कंट्रोल करने के कई अन्य तरीके भी हैं।

आम तौर पर 60% डायबिटीज रोगी ऐसे हैं, जो व्यायाम के रूप में सिर्फ चलना/वॉकिंग करना पसंद करते है। कुछ 45 मिनट चलते हैं, तो कुछ योगाभ्यास करते है, जिसमें कपालभाती आदि शामिल हैं। ये सारे ही बहुत अच्छे व्यायाम है, क्योंकि कोई भी व्यायाम यदि सही तरीके से किया जाए, तो शरीर को फायदा ही पहुंचाता है। मगर अगर आप डायबेटीज रिव्हर्सल के बारे में सोच रहे हैं तो क्या इतना करना काफी होगा आइए हम आपको बताते हैं।

डायबिटीज रोगियों के लिए एंटी ग्रेविटी एक्सरसाइज कितनी फायदेमंद है

डा. प्रमोद त्रिपाठी, एमबीबीएस, के अनुसार, 'ऐसा देखा गया है की सीढ़ी पर चढ़ने या उतरने से आपका ब्लड शुगर लेवल काफी जल्दी कम होता है। डा. त्रिपाठी का मानना है, इन सारी बातों को ठीक से समझने के लिए व्यायाम और शारीरिक गतिविधियों के बीच का फर्क समझना बहुत जरूरी है। क्योंकि जो लोग सोचते हैं कि दिनभर वे काफी सक्रिय रहते हैं ... तो वह ये जान लें आपके शरीर को उतना काम करने की आदत लग गई है। ये व्यायाम में नहीं आता। एक्सरसाइज तभी बोलेंगे जब आप सही में संरचीत पद्धति से एक विशेष लक्ष्य से काम कर रहे हैं।'

समझें एक्सरसाइज का सही मतलब

व्यायाम के अलग- अलग तरीके हैं, जैसे कि एरोबिक्स, रेसिस्टन्स बॅंड्स या दोनों को मिलाकर किया हुआ व्यायाम आदि। बहुत सारे डायबिटीज रोगियों का अध्ययन करके ये बात ध्यान में आई है की ज्यादातर लोग बहुत कम व्यायाम करते हैं। लोगों को व्यायाम का असली मतलब समझने की जरूरत है। कौन सी एक्सरसाइज करनी है, कितनी करनी है, इसका प्रमाण हमें ठीक से ज्ञात नहीं होता। कहा जा सकता है कि आप मेहनत कर रहे हैं लेकिन आपकी दिशा सही नहीं है।

एंटी-ग्रेविटी मतलब गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध ...इसमे ग्लुकोज का एनर्जी में परिवर्तन होता है। जैसे ही आप सीढ़ियां ऊपर-नीचे चढ़ना (एंटी-ग्रेविटी) शुरू करते हैं, तो आपकी ग्लूकोज की जरूरत बढ़ने लगती है। क्योंकि मसल्स के अंदर, जो स्थिर ग्लुकोज है वो कम पड़ने लगता है और ऑक्सीजन भी कम पड़ने लगती है। जब आप गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध जाते हैं तो आपके शुगर को मसल्स में जाने के लिए इन्सुलिन की जरूरत नहीं पड़ती और एंटी-ग्रेविटी करने का उद्देश्य ही यही है। यानी कहा जा सकता है कि हम खून में होने वाले ग्लूकोज को मसल्स में डाल सके ताकि यही ग्लूकोज चर्बी में रूपांतरित होने से बचे। जितना ग्लूकोज बढ़ेगा उतना आपका इन्सुलिन भी बढ़ेगा। जितना इन्सुलिन बढ़ेगा, उतना ही वो चर्बी को और पानी को खींचकर रखेगा और आप मोटे होते जाओगे.. और मोटापे से फिर कई सारी समस्याएं पैदा होंगी।

रिवर्स करना अगर अपने ठान लिया है, तो शुगर का स्तर जल्दी नीचे लाना बहुत जरूरी है। क्योंकि जितनी शुगर नियंत्रण में रहेगी, उतना इंसुलिन नियंत्रण में रहेगा और उतनी चर्बी नियंत्रण में रहेगी। इससे इन सबका संतुलन बराबर रहेगा इसीलिए एंटी-ग्रेविटी यानी सीढ़ियां ऊपर-नीचे चढ़ना बहुत जरूरी है। इसके अलावा, जो मधुमेह रोगी रिवर्सल के बारे में सोच रहे हैं, उन्हें यह ध्यान में रखना चाहिए कि आपकी PP शुगर 180 के नीचे होनी चाहिए और फास्टिंग शुगर 140 के नीचे होनी चाहिए। एंटी-ग्रेविटी एक्सरसाइज आपको खाना खाने के एक घंटा 45 मिनट से 2 घंटे बाद करनी चाहिए। वहीं रिवर्सल के अडजस्टमेन्ट फेज में तीन बार ये 5-10 मिनट करनी बहुत जरूरी है।

एंटी-ग्रेविटी एक्सरसाइज में तीन तरीके

- सबसे आसान और उपयोगी है सीढ़ी पर ऊपर-नीचे करना - 100 से शुरू करके 300 तक भी जा सकते हैं। जिसमें एक छोटी सी चेतावनी है कि अगर घुटने में दर्द है या शुरू हो गया है तो ये करना तुरंत रोक दे। अगर आपका बीपी बढ़ रहा है, तो भी यह एक्सरसाइज नहीं करनी चाहिए।
- जिनको घुटनो का दर्द है, उनके लिए नायट्रिक ऑक्साइड डंप एक विकल्प है। यह एक पावरफुल एक्सरसाइज का प्रकार है।
- जिन लोगों से यह भी नही हो पा रहा है, उन्हें पीठ पर लेटकर हाथ और पैर घुमाकर व्यायाम करना चाहिए। ऐसा 2-3 मिनट करें। तो डायबिटीज रिव्हर्सल सिर्फ चलने, योगा से नहीं हो सकता, उसके लिए शरीर की ताकत बढ़ानी होगी और ताकत बढ़ाने के लिए एंटी-ग्रेविटी बेहद जरू री है।

एंटी-ग्रेविटी एक्सरसाइज के फायदे

शुगर कम होता है
हार्ट की एक्सरसाइज हो जाती है
प्रतिरक्षा बढ़ती है
इन्सुलिन रेसिस्टन्स कम होता है
कोलेस्ट्रॉल में फर्क पड़ता है
स्टैमिना बढ़ता है।
वजन घटाने में मदद

सेहत

बच्चों में खराब पेट बन सकता है गंभीर बीमारी की वजह

बच्चों को सही से पॉटी न आना या बहुत दिनों तक पेट खराब रहने से यूरिया साइकिल डिसऑर्डर (यूएसडी) का खतरा बढ़ जाता है। गंभीर यूएसडी वाले बच्चों में इसके लक्षण जन्म के पहले 24 घंटों के भीतर विकसित होते हैं। हर इंसान में यूरीन के बाहर आने का भी एक चक्र होता है। जन्म के बाद से ही बच्चों में यूरीन के बाहर आने का चक्र विकसित होना शुरू हो जाता है। इस बीमारी के तहत जब बच्चा प्रोटीन खाता है, जो उसका शरीर उसे अमीनो एसिड में बदल देता है, बाकी नाइट्रोजन प्रोडक्ट में लिवर नाइट्रोजन को यूरिया में बदलने के लिए कई एंजाइमों की आपूर्ति करता है जो बाद में मल-मूत्र के रुप में शरीर से निकल जाता है। इस प्रक्रिया को यूरिया चक्र कहा जाता है।

कोमा में भी जा सकता है बच्चा

अगर बच्चे को यूरिया चक्र दोष है, तो उसका लिवर यूरिया साइकिल की जरूरतों के हिसाब से काम नहीं कर पाता है। इस तरह से जब बच्चे का शरीर नाइट्रोजन, अमोनिया को बाहर नहीं निकाल पाता है तो इसके हानिकारक पदार्थ ब्लड में मिल जाते हैं। ब्लड के साथ सर्कुलेट होने से ये हानिकारक पदार्थ मस्तिष्क की क्षति का कारण बन सकते हैं, जिससे बच्चा कोमा में भी जा सकता है।

इस कारण होती है ये बीमारी

- शरीर में ओटीसी, एएसडी का कम होना
- पेरेंट्स से डिफैक्टिव जीन का बच्चे में ट्रांसफर होना
- ज्यादा प्रोटीन लेने से
- जन्म से ही लिवर खराब होने से

लक्षण

- खाने की चीजों को नापसंद करना
- बार-बार उल्टी होना
- अधिकतर सोते रहना
- बेहोशी की हालत में रहना

उपाय

बच्चों को प्रोटीन युक्त खाने की चीजें देने से परहेज करें और उन्हें उच्च कैलोरी वाले आहार ज्यादा मात्रा में दें। इससे बच्चों में यूरिया साइकिल डिसऑर्डर को कम किया जा सकता है। इसके लिए बच्चों को 6 महीने बाद से ही फल और सब्जियों को किसी न किसी रूप में दें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-2-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-1-4-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-2-4-6

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-5-7-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-5-6

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-5-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 3353

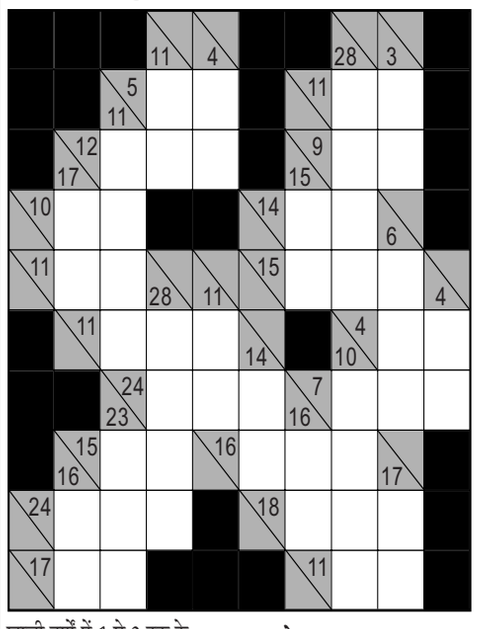

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

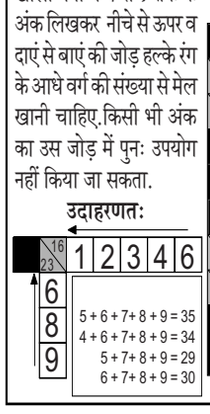

काकुरो - 3352 का हल

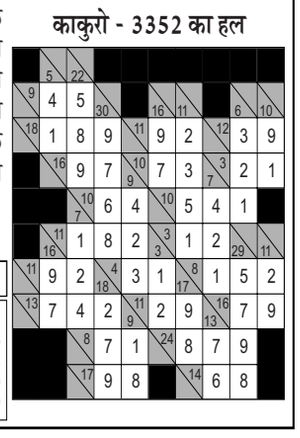

हंसी के फव्वारें

एक साहब अपने दोस्त से कहने लगे- ''मेरी घरवाली बहुत झुठी है. वह कल दो घण्टे घर से गायब रही और वापसी पर मुझे बताया कि वह अपनी सहेली गीता के साथ फिल्म देखने गई थी !''

''मगर तुम्हें इस बात का पता कैसे चला कि वह झूठ बोल रही है.''

''उस समय मैं गीता के साथ फिल्म देख रहा था.'' साहब ने जवाब दिया.

इस पर दोस्त खामोश हो गया.

□ □ □

एक महिला एक निमन्त्रण में गई.

वहां उसने हर व्यक्ति को अपनी उम्र अलग-अलग बताई.किसी को बीस, किसी को पच्चीस तो किसी को तीस. यह देख उसकी एकमात्र बेटी उसे खींचकर कोने में ले गई और बोली-''मम्मी ! तुम किसी को कुछ भी आयु बताओ ! मगर इतना ध्यान अवश्य रखना कि मेरी और तुम्हारी उम्र में कम-से-कम नौ महीने का अन्तर रहे.''

□ □ □

एक आदमी ने जज से अपनी घरवाली को तलाक देने का कारण बताते हुए कहा- ''मेरी घरवाली ने शादी के बाद से अब तक केवल एक बेटी को जन्म दिया है. मगर मेरी प्रबल इच्छा है कि मैं एक बेटे का बाप बनूं.''

इस पर पत्नी तमककर बोली-''जज साहब ! अगर मैं इनके भरोसे रहती तो यह बेटी भी नहीं होती !''

फिल्म वर्ग पहेली- 3353

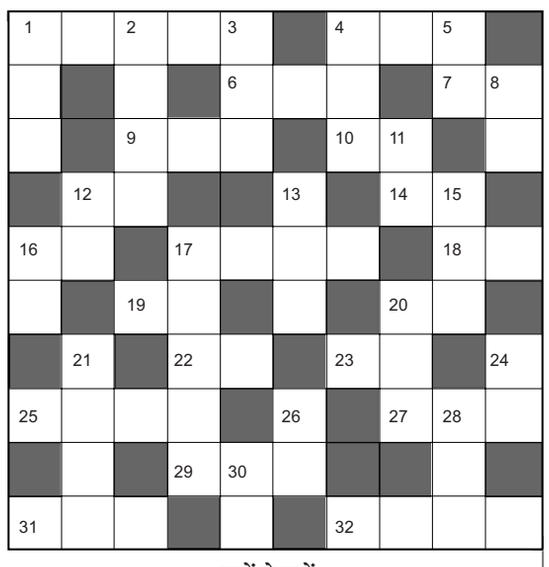

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-3352

बा	ग	बा	न	■	त्रि	■	धू	म
रू	■	द	■	ख्व	दे	श	■	र्या
द	ला	ल	■	■	व	■	दा	दा
■	ड़	■	प्या	सा	■	सी	मा	■
दु	ला	ग	■	ज	ख्मी	■	द	म
श्म	■	ज	मी	न	■	ने	■	म
नी	तू	■	ना	■	म	ह्या	न	ता
■	■	आ	■	दो	स्त	■	गी	■
दि	ल	ज	ले	■	■	बे	ना	म

सूडोकु -3353

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3352 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 3353

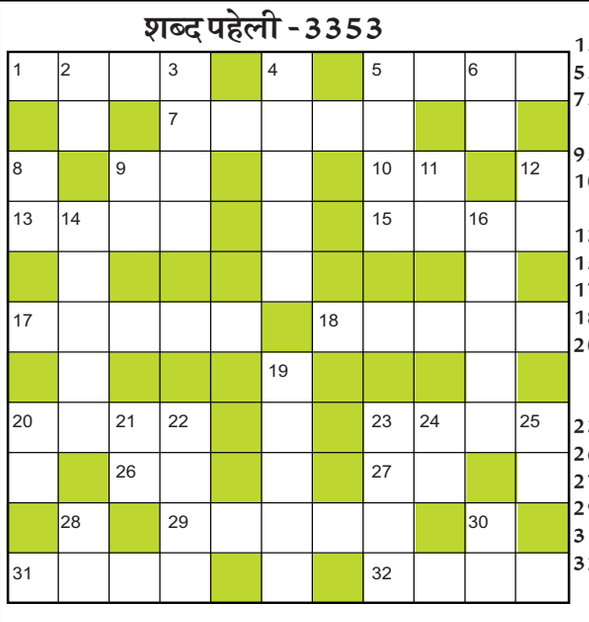

बाएँ से दाएँ

1. सफल,उत्तीर्ण-4
5. ओस,रजनीजल-4
7. फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9. महीना,मास-2
10. साल का बारहवां भाग-2
13. पुचकारना-4
15. विष्णु,चक्रधारी-4
17. निरुत्तर होना-5
18. अपनत्व-5
20. असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23. निकृष्ट,अल्पतर-4
26. अंधकार-2
27. बुरा आदत-2
29. रसायन संबंधी-5
31. ब्राम्हण,सम्राट-4
32. गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे

2. मां,आई,मदर-2
3. बारिश का गिरना-4
4. निर्माता,रचयिता-5
5. लज्जाना -4
6. मुलायम-2
8. उम्मीद-2
9. हार,जयमाल-2
11. हरे रंग का-2
12. वचन,प्रतिज्ञा-2
14. हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16. जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19. विलेन,नायक का विलोम-5
20. बादल-2
21. बुरी आदत-2
22. यम,मृत्यु का देवता-4
23. पानी के बहने की आवाज-2,2
24. वोट,अभिमत-2
28. इस जगह-2
30. कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली - 3352 का हल

क	ल	ह	■	म	■	प	र	दा	न	शी
पू	■	क	ल	श	■	छ	बी	ल	■	त
त	ल	■	■	व	■	ता	■	■	सा	ल
■	ल	■	धा	रा	प्र	वा	ह	■	ब	■
म	क	ब	रा	■	था	■	म	हा	न	ता
■	■	■	वा	दा	■	मा	स	■	■	■
ह	म	रा	ही	■	पा	■	फ	र	मा	न
■	यू	■	क	हा	नी	का	र	■	य	■
ख	र	■	■	थी	■	र	■	■	का	न
प	■	ब	र	खा	■	ना	र	द	■	य
त	र	स	खा	ना	■	मा	■	म	न	न

पुलिस अधिकारियों और जवानों ने ध्यान एवं योग शिविर में सीखा योग

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। हरियाणा योग आयोग के तत्वाधान में फरीदाबाद पुलिस द्वारा पुलिस लाइन सेक्टर-30, फरीदाबाद में आयोजित पंच दिवसीय योग एवं ध्यान शिविर का सफल समापन हुआ। इस शिविर में 1200 से अधिक पुलिसकर्मियों (महिला व पुरुष) ने योग का प्रशिक्षण लिया और इसे अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। मुख्य योग प्रशिक्षक योगाचार्य जयपाल शास्त्री, सदस्य हरियाणा योग आयोग ने शिविर में तनाव प्रबंधन, जोड़ों का दर्द, कमर दर्द, सर्वाइकल, अनिद्रा और मोटापा जैसे अनेक स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव हेतु योगासन, प्राणायाम, ध्यान, सूक्ष्म व्यायाम, सूर्य नमस्कार, स्फूर्तिदायक व्यायाम, यौगिक जोगिंग, सिंहासन, हास्यासन, तालिवादन और योग निद्रा आदि विभिन्न यौगिक क्रियाओं का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने मन की एकाग्रता, उत्साह, प्रसन्नता, रोग प्रतिरोधक क्षमता व मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए नियमित योग करने की प्रेरणा दी। योग प्रशिक्षक राजेश भाटी, मनीषा आर्या, अजीत कुमार, आकाश एवं आयुष ने सहायक योग प्रशिक्षक हरवीर सिंह और अभिषेक ने प्रशिक्षण में सहयोग दिया। इस शिविर में पुलिस के सभी विभागों से अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। यह आयोजन पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य एवं जीवनशैली को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। शिविर के समन्वयक सामुदायिक पुलिसिंग सेल के सुरेन्द्र सिंह ने आयोजन में अहम भूमिका निभाई और सभी सहयोगियों को इस सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया।

चालक-परिचालक और सुरक्षा कर्मियों को नशे से दूर रहने के टिप्स दिए

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। हरियाणा पुलिस के थानेदार डॉ अशोक कुमार वर्मा साइकिल पर चलते हैं। वे साइकिल के साधन का प्रयोग करते हुए शहर शहर जाकर लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो में सेवारत पुलिस उप निरीक्षक जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी के रूप में नियुक्त हैं। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो प्रमुख/ पुलिस महानिदेशक श्री ओपी सिंह साहब के दिशानिर्देशों एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती पंखुरी कुमार के मार्गदर्शन में वे अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे हैं। फरीदाबाद में नशे के विरुद्ध अभियान के अंतर्गत वे एपीजे स्कूल सेक्टर 15 पहुंचे और वहां पर कार्यरत बस चालक, परिचालक, सहायक, सुरक्षा कर्मियों के साथ साथ अन्य कर्मचारियों के साथ वार्तालाप के माध्यम से नशे जैसी बुराई पर चर्चा की। उन्होंने उनसे इस विषय पर बात करते हुए बताया कि हम चाहते हैं कि अच्छा जीवन व्यतीत करें और हमारे बच्चे अच्छे निकले तो हमे नशे से दूरी बनानी होगी। उनके साथ वार्तालाप के माध्यम से प्रतिबंधित नशे पर भी चर्चा की और बताया कि किस प्रकार यह मनुष्य के विनाश के लिए आतुर है। उन्हें चेतावनी वाले नशे जिसमे बीड़ी सिगरेट और तम्बाकू आते हैं को छोड़ने के टिप्स दिए।

मीडिया सेंटर में मनाया गया राष्ट्रीय प्रेस दिवस

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। सेक्टर-12 स्थित लघु सचिवालय के ग्राउंड फ्लोर पर स्थापित मीडिया सेंटर में राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया गया। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर पत्रकारों ने कहा कि मीडिया प्रजातंत्र का सशक्त प्रहरी है। न्यायपालिका, विधायिका व कार्यपालिका के बाद मीडिया को चौथा स्तंभ के रूप में जाना जाता है। मीडिया लोकतंत्र व लोगों के बीच सेतु का काम करती है। उन्होंने कहा कि पत्रकार लेखनी के माध्यम से समाज को न केवल दिशा देते हैं बल्कि समस्याओं व गड़बड़ियों को उजागर भी करते है। इसके साथ ही इस अवसर पर मौजूद प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों ने अपने पत्रकारिता से जुड़े अनुभव और विचार सांझा किए।

क्यों मनाया जाता है राष्ट्रीय प्रेस दिवस

बता दें कि 16 नवंबर को नेशनल प्रेस डे को मनाया जाता है। भारतीय प्रेस की स्वतंत्रता और उसकी जिम्मेदारी को सम्मानित करने के लिए यह दिन तय किया गया है। मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ होता है। नेशनल प्रेस डे के मौके पर मीडिया की भूमिका को लेकर जागरूकता फैलाने का काम किया जाता है और साथ ही इसके महत्व को भी समझाया जाता है। 16 नवंबर 1966 को नेशनल प्रेस डे की शुरुआत हुई थी और इसी दिन प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया का गठन हुआ था।

चुनौतियों व समस्याओं पर चर्चा

इस दौरान आज के डिजिटल जिंदगी में पत्रकारों के समक्ष आने वाली समस्याओं पर चर्चा की गई। कहा कि सोशल मीडिया पर आने वाले फेंक न्यूज से बचें। आज के दौर में सोशल मीडिया पर कई तरह के भ्रामक संदेश भी दिए जा रहे हैं। इससे हमें सावधान रहने की आवश्यकता है। इस मौके पर पत्रकार भोला पांडे, राजेंद्र दहिया, देवेंद्र कौशिक, अनिल राठी, मुकेश राजपूत, मोनू पांचाल, अनिल मंगला, अर्जुन, जितेंद्र बेनीवाल, जय प्रकाश भाटी, रिंकू, शमशेर कुमार सहित डीआईपीआरओ कार्यालय से लेखाकार श्रीमती हिना विरमानी सहित अन्य कर्मचारीगण मौजूद थे।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सब्सिडी योजना लागू: डीसी विक्रम सिंह

लाभार्थियों को 36 महीने के लिए 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान राशि दी जाएगी

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा उदय अभियान के तहत एक नई योजना हरियाणा महिला विकास के माध्यम से ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में महिलाओं का आत्मनिर्भर बनाने और उनके आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार के लिए हरियाणा मातृशक्ति उद्यमिता के लिए सबसिडी योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत ऑटो रिक्शा, टैक्सी, सैलून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, बुटीक, फोटोकॉपी की दुकान, पापड़ बनाना, अचार बनाना, हलवाई की दुकान, फूड स्टॉल, आइसक्रीम बनाने की यूनिट, बिस्कुट बनाना, हैण्ड लूम, बैग बनाना, कैंटीन सर्विस इत्यादि का अपना काम शुरू कर सकती है।

योजना की ऋण प्रक्रिया:- हरियाणा मातृ शक्ति उद्यमिता

योजना की ऋण प्रक्रिया इस प्रकार है। लाभार्थी को समय पर पुनर्भुगतान के मामले में हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा बैंकों द्वारा ली जाने वाली प्रचलित ब्याज दर पर तीन वर्षो के लिए 7 प्रतिशत ब्याज सबसिडी प्रदान किया जाएगा। अधिकतम ऋण सीमा 05 लाख रुपये तक है। ऋण के संवितरण के बाद अधिस्थगन अवधि तीन महीने की होगी। बैंकों द्वारा बिना संपार्श्विक प्रतिभूति के योजना को कवर किया जाएगा।

यहां करें आवेदन:

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि आवेदन करने के लिए हरियाणा महिला विकास निगम के कार्यालय का पता ये है। हरियाणा महिला विकास निगम छठी मंजिल, उपायुक्त कार्यालय, सेक्टर-12 के फोन नंबर- 7015487239 पर जानकारी ले सकते हैं।

आवेदक की पात्रता:

हरियाणा महिला विकास निगम के प्रवक्ता ने बताया कि आवेदक की पात्रता की जानकारी देते हुए बताया कि वह केवल हरियाणा की मूल निवासी महिलाएं जिनकी परिवार पहचान पत्र के अनुसार 5 लाख रुपये से अधिक आय न हो। इस योजना के लिए लाभ पात्र है। इसके अलावा ईएमआई के भुगतान के चुक के मामले में विलंबित पर अर्जित पर अर्जित ब्याज के लिए कोई सबसिडी नहीं दी जाएगी। हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा लाभार्थियों के 36 महीने के लिए 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान राशि दी जाएगी। वहीं ऋण के लिए आवदेन करने समय समावित लाभार्थी की आयु 18-60 वर्ष होनी चाहिए। योजना के अंतर्गत ऋण प्राप्त करने के लिए दस्तावेज की सूची जरूरी है। इनमें आवेदन पत्र, राशन कार्ड /परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, दो पासपोर्ट आकार फोटो, रिहायशी प्रमाण पत्र, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, ट्रेनिंग सर्टिफिकेट/ अनुभव प्रमाण पत्र शामिल है।

जल जीवन मिशन: जेआरसी द्वारा पोस्टर मेकिंग कंपटीशन द्वारा जल संरक्षण का संदेश

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। शिक्षा विभाग के आदेशानुसार गवर्मेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सराय ख्वाजा फरीदाबाद की सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड और जूनियर रेडक्रॉस ने प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन हेतु पोस्टर मेकिंग के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। प्राध्यापिका गीता और प्राध्यापिका ममता ने जागरूकता कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जे आर सी एवम एस जे ए बी अधिकारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत सभी अध्यापकों, स्टाफ सदस्यों एवम छात्र और छात्राओं से वर्षा जल संचयन द्वारा जल की प्रत्येक बूंद को संरक्षित करने के लिए जागरूक किया जा रहा है इस प्रकार से बच्चों की विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं जैसे पोस्टर मेकिंग कंपटीशन, भाषण प्रतियोगिता, जन जागरूकता रैली, क्विज, स्लोगन राइटिंग, वॉल पेंटिंग, निबंध लेखन आदि गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं। इन गतिविधियों और प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता करके बच्चें स्वयं जागरूक बनकर अपने स्वजनों, मित्रों, सहपाठियों तथा सामान्य जनों को भी जल जीवन मिशन से जोड़ रहे हैं प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने बताया कि वर्षा जल संचयन से हम मानवता पर मंडरा रहे जल संकट से सुरक्षित रह सकते हैं वर्षा जल प्रणाली और वर्षा जल संयंत्र द्वारा उन क्षेत्रों में जहां जल आपूर्ति असामान्य है जल संकट का समाधान किया जा सकता है। वर्षा जल संचयन से जल के भूमिगत भंडार में वृद्धि होती है भूमिगत जल स्तर ऊपर होता है विभिन्न प्रतियोगिताओं में तथा कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को शिक्षा विभाग द्वारा सम्मानित और पुरस्कृत भी किया जाता हैं। चंचल, वंदना और पूजा को पोस्टर मेकिंग कंपटीशन में प्रथम, द्वितीय और तृतीय घोषित किया गया। प्राचार्य मनचंदा, प्राध्यापिका सुशीला बेनीवाल और गीता ने जागरूकता कार्यक्रम में प्रतिभागिता करने वाली सभी छात्राओं को सम्मानित करते हुए अभिनंदन किया तथा सभी से आग्रह किया कि सभी अपने अपने स्तर पर भी जल की प्रत्येक बूंद का संरक्षण करें, जल को व्यर्थ न करें तथा वर्षा जल संचयन प्रणाली से वर्षा जल को व्यर्थ जाने देने से रोकें। जल जीवन मिशन पर गंभीरता से कार्य करने की आवश्यकता है जिस से हमारे पश्चात हमारे आने वाली पीढ़ियों को जल की उचित आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

अच्छे पत्रकार तो सभी को चाहिए परन्तु सच अपने खिलाफ स्वीकार्य नहीं होती

सच्ची पत्रकारिता एक कठिन कार्य : डॉ. मोहन तिवारी

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर पत्रकारों को शुभकामना देने का दौर जारी है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर प्रदेश में संगोष्ठी की भी आयोजन भी किया गया। शहर सेक्टर 12 फरीदाबाद के रहने वाले जाने माने समाजसेवी लेखक, राजनीतिक विश्लेषक, राजनीतिक रणनीतिकार, वरिष्ठ पत्रकार, डॉ. मोहन तिवारी ने कहा की पत्रकारिता कितना कठिन कार्य है, क्या कभी कोई सोचता है ?पत्रकारों को अपना जान जोखिम में डालकर कार्य करना पढ़ता है। हर जगह लोग पत्रकारों की बुराई करते नजर आ जाते है पर जब किसी सच्चे व अच्छे पत्रकार पर कभी कोई मुसीबत आ जाती है तो समाज का कोई भी व्यक्ति या सरकार में बैठे नेता अधिकारी काम नही आते है। सिर्फ राष्ट्रीय प्रेस दिवस का औपचारिक रूप से संगोष्ठी का आयोजन कर दिया जाता है और सोशल साइट्स पर शुभकामना प्रेषित कर दिया जाता है। लेखक, राजनीतिक विश्लेषक, राजनीतिक रणनीतिकार, वरिष्ठ पत्रकार, डॉ.मोहन तिवारी ने कहा की पत्रकारिता सच्ची व तथ्यों पर आधारित व लोगों की भलाई के लिए होनी चाहिए।

समाजसेवी, लेखक, राजनीतिक विश्लेषक, राजनीतिक रणनीतिकार, वरिष्ठ पत्रकार, डॉ.मोहन तिवारी ने कहा की पत्रकारिता एक कठिन कार्य हो गया है।

आज का दौर ऐसा है की कई बार पत्रकारों को जान जोखिम में डालकर भी पत्रकारिता करनी पड़ती है। हालांकि वर्तमान समय में पत्रकारिता में काफी बदलाव आये है। आज सोशल मीडिया ब्लॉग, डिजिटल व ब्रॉडकास्ट के उदय ने भौगोलिक बाधाओं को तोड़ते हुए समाचार के दायरे में विस्तार किया है। लेखक, राजनीतिक विश्लेषक, राजनीतिक रणनीतिकार, वरिष्ठ पत्रकार, डॉ. मोहन तिवारी ने कहा की प्रेस को विश्वनियता और स्टीकता व तथ्यों पर आधारित पत्रकारिता कर लोगों की भलाई के लिए विशेष रूप से कार्य करना चाहिए। प्त्रकारिता व्यवसाय का साधन नही होना चाहिए। आजादी के समय से पत्रकारिता एक व्यवसाय न होकर लोगों में राष्ट्र की भावना को जागरूक करना पत्रकारिता का लक्ष्य था, जिससे देशभक्तों ने अंग्रेजों को भारत से खदेड कर स्वतंत्रता प्राप्त की थी। परंतु वर्तमान की पत्रकारिता में काफी गिरावट आ गया है जो की चिंता का विषय है।

दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएं

हिन्दी दैनिक अखबार समाचार गेट की तरफ से समाजसेवी गुरूचरण सिंह के पुत्र एवं पुत्रवधु के विवाह पर हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सरदार बूटा सिंह कश्यप राजपूत सिख समाज जवाहर कॉलोनी एवं जितेन्द्र मोर के साथ चेयरमैन बहादुर सिंह, सरपाल सिंह, रविंद्र सिंह (काकू), सेसेकेट्री प्रगट सिंह, इंदर सिंह, छिकत्र सिंह, प्यारा सिंह, दीपक त्यागी, फरीदाबाद ब्यूरो चीफ संजय शर्मा आदि उपस्थित रहे एंव नववधू को आशिर्वाद देते हुए।

बल्लभगढ़ में 50 हजार से ज्यादा नए सदस्यों को जोड़ने का बनायेंगे रिकॉर्ड : मूलचंद शर्मा

समाचार गेट/संजय शर्मा

बल्लबगढ़। भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान के तहत बल्लभगढ़ से विधायक मूलचंद शर्मा ने अपनी सदस्यता का नवीनीकरण किया और बल्लभगढ़ विधानसभा के लोगों से भाजपा से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों में देश और प्रदेश में भाजपा की सरकार द्वारा नई नई योजनाओं के माध्यम से जनता को सशक्त करने का काम किया जा रहा है । प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में युवाओं को बिना पर्ची और बिना खर्ची के नौकरियां मिल रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बिना थके, बिना रूके प्रदेश की जनता की सेवा कर रहे हैं और प्रदेश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने का कार्य कर रहे हैं । भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकार ने पिछले 10 सालों में युवाओं, गरीबों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं का विकास कर उनको मजबूत करने का कार्य किया है।

भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान को लेकर शनिवार बल्लभगढ़ विधानसभा से विधायक मूलचंद शर्मा ने अपनी प्राथमिक सदस्यता का नवीनीकरण किया और रेफरल कोड के साथ अपना लिंक और क्यूआरकोड भी जारी किया।

श्री मूलचंद शर्मा ने बल्लभगढ़ विधानसभा में अपने सभी कार्यकर्ताओं को आह्वान करते हुए कहा कि बल्लभगढ़ में 50 हजार से ज्यादा लोगों को भाजपा की विचारधारा के साथ जोड़कर भाजपा का सदस्य बनायेंगे, इसके लिए उन्होंने अपने सभी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी ।विधायक श्री मूलचंद शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान को कार्यकर्ता उत्सव की तरह मना रहे हैं और लगातार लोगों को भाजपा के साथ जोड़ रहे हैं । पार्टी के प्रति लोगों में जोश और उत्साह हैं। बल्लभगढ़ विधानसभा में अभी तक 15 हजार से ज्यादा सदस्यों को भाजपा के साथ जोड़ा जा चुका है । श्री शर्मा ने कहा कि जैसा की पार्टी प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बडौली ने कहा कि पार्टी के साथ गद्दारी करने वालों पर पूरी नजर हैं और उनको पार्टी में किसी भी पद पर नहीं रखा जायेगा।

संपादकीय

न्यायिक प्रक्रिया के धीमे विकल्पों पर विचार करना होगा

उलेमा बनाम उत्तरी दिल्ली मामले पर सुनवाई के दौरान जिस तरह सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणियां की थीं, इस मामले पर आए फैसले का अंदेशा उनसे हो गया था। सबसे बड़ी अदालत ने बुलडोजर कार्रवाई पर पूरी रोक तो नहीं लगाई है, लेकिन इसके लिए मानक प्रक्रिया बनाकर राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों के हाथ जरूर बांध दिए हैं। जैसा कि हर फैसले के साथ होता है, हर पक्ष अपने-अपने हिसाब से इसकी व्याख्या कर रहा है। बुलडोजर कार्रवाई के विरोधी इसे अपनी जीत बता रहे हैं, वहीं इसके समर्थक इस फैसले में भी कार्रवाई के लिए राह खोज रहे हैं। इससे साफ है कि बुलडोजर न्याय सिर्फ स्पीड ब्रेकर का काम करेगा, ब्रेक नहीं बन पाएगा। स्पीड ब्रेकर तेज रफ्तार वाहनों की रफ्तार को धीमी करता है, जबकि ब्रेक गाड़ी को रोक देता है। यह फैसला भी कुछ इसी तरह का साबित होने जा रहा है।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई को नियंत्रित करते वक्त एक तथ्य पर ध्यान नहीं दिया है। हमारे यहां आपराधिक मामलों की सुनवाई की जो प्रक्रिया है और उसमें जिस तरह की देर लगती है, उसे अपराध करने वालों ने अपने लिए आड़ बना रखा है। बरसों तक धीमी गति से चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया का एक संदेश यह है कि ताकतवर चाहे तो अपराध करने के बावजूद प्रक्रिया की घुमावदार गलियों में न्यायिक फैसले को टाल सकता है। यह टालना इतना लंबा हो जाता है कि एक तरह से वह न्याय से इनकार हो जाता है। देर है पर अंधेर नहीं की सोच भी उबाऊ और धीमी न्यायिक प्रक्रिया के सामने धुंधली होते-होते समाप्त हो जाती है। इसी घुमावदार और लंबी-धीमी न्यायिक प्रक्रिया का विकल्प बनकर बुलडोजर न्याय उभरा था। राज्य सरकारों ने इसे त्वरित न्याय के साधन के तौर पर अपनाया और देखत ही देखते अपराधमुक्त समाज की चाहत रखने वालों की चहेती बन बैठीं।

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई की मानक प्रक्रिया बनाते हुए त्वरित न्याय के विकल्प या न्यायिक प्रक्रिया की घुमावदार गलियों को पूरी तरह नजरंदाज किया है। यही वजह है कि इस फैसले के बाद अपराधियों, गैंगस्टरों, असामाजिक तत्वों के उभार को लेकर समाज का एक बड़ा वर्ग सशंकित हो उठा है। देश की सबसे बड़ी अदालत होने के चलते सुप्रीम कोर्ट को इस सामाजिक सोच का भी संज्ञान लेना चाहिए और उसे भी आश्वस्त करना चाहिए कि उसके फैसले के बावजूद किसी गैंगस्टर, कोई अपराधी या समाज विरोधी तत्व को कमजोर तबके की जमीनों या सार्वजनिक संपत्तियों के अतिक्रमण का हक नहीं मिल जाता।

सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला उत्तरी दिल्ली के एक मामले में दिया है। अप्रैल 2022 में दिल्ली के जहांगीर पुरी में रामनवमी के दिन निकले जुलूस पर एक मस्जिद और उस इलाके से जुलूस पर हुए पथराव और उससे उपजी हिंसा के जवाब में दिल्ली नगर निगम ने अवैध अतिक्रमणों को हटाने के लिए बुलडोजर कार्रवाई की थी। इस कार्रवाई को सांप्रदायिक कार्रवाई का रंग देते हुए सेकुलर धारा के दिग्गज वकीलों मसलन कपिल सिब्बल आदि ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। भले ही सुनवाई इसी मामले की होती रही, लेकिन संदेश ऐसा गया मानो उत्तर प्रदेश की सरकार की बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ सुनवाई हो रही है। इसकी वजह यह रही कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने त्वरित न्याय के विकल्प के रूप में इसे अपनाया। तब उत्तर प्रदेश सरकार को लेकर यह छवि बनाई गई कि वह सिर्फ अल्पसंख्यक यानी मुस्लिम तबकों के खिलाफ ही बुलडोजर कार्रवाई करती है। जबकि योगी सरकार ने बिरादरी से ब्राह्मण लेकिन कर्म से माफिया और गैंगस्टर विकास दुबे के खिलाफ भी इस कार्रवाई को किया। भदोही के बिरादरी से पंडित गैंगस्टर और राजनेता विजय मिश्रा की अतिक्रमित संपत्तियां भी उत्तर प्रदेश सरकार के निशाने पर रहीं। लेकिन प्रचारित सिर्फ अतीक, मुख्तार जैसे मुस्लिम दबंगों और माफियाओं की संपत्तियों के खिलाफ हुई कार्रवाई ही की जाती रहीं। इस बहाने त्वरित न्याय के इस सरकारी विकल्प को हिंदुत्ववादी राजनीतिक दर्शन का ना सिर्फ नतीजा बताया गया, बल्कि यह नैरेटिव स्थापित कर दिया गया। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर आम लोगों के बीच संदेश यही गया है कि यह उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ आया फैसला है।

बुलडोजर कार्रवाई को लेकर प्रचारित सिर्फ योगी सरकार रही, लेकिन अवैध अतिक्रमण के खिलाफ आंध्र, तेलंगाना, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश आदि सरकारों ने भी की है। एक आंकड़े के मुताबिक, पिछले सात सालों में करीब 2000 अवैध अतिक्रमण बुलडोजर कार्रवाई में ढहाए गए। जिनमें सबसे ज्यादा करीब डेढ़ हजार मामले उत्तर प्रदेश के ही रहे। लेकिन उत्तर प्रदेश में इस कार्रवाई से खाली कराई गई जमीनों को कमजोर तबकों में बांटा भी गया है। करीब सात सौ ऐसे प्लॉट बांटे जा चुके हैं। इसकी चर्चा कम हो रही है।

अब तक बुलडोजर कार्रवाई नगर पालिकाओं, पंचायती राज संस्थाओं का विषय रहा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इसे में स्थानीय जिला अधिकारी और उप जिलाधिकारी भी शामिल हो गए हैं। अवैध कब्जे और अतिक्रमण के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई जिला अधिकारी की निगरानी में होगी और इसके लिए मान्य प्रक्रिया और नोटिस आदि देने की अवधि का पूरी तरह निर्वहण किया जाएगा। इस प्रक्रिया की राह में एक बाधा नजर आ रही है। जिला प्रशासन समय और काम के बोझ का बहाना बनाकर ऐसी कार्रवाइयों को टाल सकता है। अपराधी, माफिया और गैंगस्टर कब्जे करते रहेंगे, और धीमी न्यायिक प्रक्रिया के चलते वे अपने अपराध को प्रकारांतर से स्थापित करते रहेंगे। इससे त्वरित न्याय प्रक्रिया की वैकल्पिक सोच भी कुंद होगी। ऐसे में न्याय की उम्मीद भी धुंधली होगी। ऐसे में आपराधिक तत्वों पर लगाम लगा पाना आसान नहीं रह जाएगा।

मुख्याध्यापक की सड़क हादसे में मौत होने के बाद शादी की खुशियां मातम में बदली

दोहते की शादी को लेकर 21 नवंबर को गुढा से रेवाडी जाना था भात

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। खंड के गांव गुढा निवासी एवं शिक्षा विभाग से सेवानिवृत मुख्याध्यापक औमकार सिंह का एक सडक हादसे में आक्सिमक निधन होने के बाद परिवार में होने वाली शादी की खुशियां मातम में बदल गई हैं। उनके दोहते की 21 नवंबर को मोतला कलां, हाल आबाद रेवाडी में शादी समारोह निर्धारित किया गया है जिसके लिए बृहस्पतिवार को डीजे की धुन पर धूमधाम से उनके घर पर गुढा में भात न्योते जाने की रस्म पूरी हुई थी। पूरा परिवार शादी की तैयारियों में जुटा हुआ था। उनकी ओर से 21 नवंबर को रेवाडी में भात जाना था लेकिन उन्हें क्या मालुम था कि शादी की सारी खुशियां धरी की धरी रह जायगीं। राजस्थान सरकार के अंतर्गत राजकीय माध्यमिक विद्यालय चुडीना, जिला झुंझनू से बतौर मुख्याध्यापक पद से 2012 में सेवानिवृत हुए औमकार सामाजिक गतिविधियों में बढचढ कर हिस्सा लेते थे।

कनीना-अटेली सडक मार्ग पर कारिया गांव के समीप रोडवेज बस ने उनकी बाईक को मारी टक्कर

औमकार सिंह शुक्रवार को बाईक पर सवार होकर किसी कार्य से अटेली जा रहे थे। कनीना-अटेली रोड पर जब वे कारिया गांव के समीप पंहुचे तो सामने से तेज गति व लापरवापूर्वक आ रही रोडवेज की बस उनकी बाईक को टक्कर मार दी। इस हादसे में उनकी बाईक पूर्णरूप से क्षतिग्रस्त हो गई वहीं गंभीर चैटें लगने के कारण उनकी भी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे के बाद सडक के दोनों ओर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस तथा परिजन मौके पर पंहुचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कागजी कार्रवाई पूरी कर नागरिक अस्पताल नारनौल में पंचनामा करवा परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने शुक्रवार सांय गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार कर दिया। थाना इंचार्ज निरीक्षक देवेंद्र ने बताया कि मृतक के पुत्र अमित कुमार की शिकायत पर हादसे के आरोपी बस चालक के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। जिसे शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जायेगा। गांव के पूर्व सरपंच धर्मपाल यादव, अशोक यादव, वीरेंद्र सिंह, औमप्रकाश, दरियाव सिंह, राजेश कुमार, डॉ संजय कुमार, महावीर सिंह, सुनील कुमार, राजु मक्कड सहित ग्रामीणों ने शोक जताया है।

लघु सचिवालय में मनाया गया राष्ट्रीय प्रेस दिवस

अजायब सिंह डीएसपी नूंह रहे मुख्यातिथि

मीडिया का बदलता स्वरूप विषय पर हुआ संगोष्ठी का आयोजन

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। शनिवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस लघु सचिवालय नूंह स्थित मीटिंग हॉल में धूमधाम से मनाया गया। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के इस कार्यक्रम में अजायब सिंह डीएसपी नूंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के इस अवसर पर नूंह जिले के कई दर्जन वरिष्ठ व कनिष्ठ पत्रकारों ने भाग लिया। जिसमें इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रिंट मीडिया तथा सोशल मीडिया से जुड़े हुए पत्रकार शामिल रहे।

प्रेस के बदलते स्वरूप के विषय पर शनिवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर वक्ताओं ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि आज पत्रकारिता जगत में बड़े बदलाव आए हैं। डीएसपी अजायब सिंह ने कहा कि पत्रकारों को भी मानदेय मिलना चाहिए, कम से कम 25000 - 30000 प्रति माह मानदेय मिलना चाहिए। पत्रकार 24 घंटे देश सेवा में लगा रहता है। अपनी जान को जोखिम में डालकर किसी भी स्थिति में सही खबर जनता के सामने लाने का प्रयास करता रहता है। पत्रकारिता में अब चुनौतियां बहुत हैं। सोशल मीडिया ने बड़ी तेजी से अपनी जगह बनाई है, लेकिन आज भी लोग प्रिंट मीडिया पर बहुत ज्यादा विश्वास करते हैं। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का भी जमाना है। उन्होंने यह भी कहा कि टीआरपी के चक्कर में बहुत से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म चलाने वाले पत्रकार समाज हित को ध्यान में नहीं रखते हैं। हमें इन बातों पर गंभीरता से अमल करने की जरूरत है। हम एक बेहतर प्रदेश व देश का निर्माण करने में अपनी अहम भूमिका निभा सकते हैं। कुल मिलाकर राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

एआईपीआरओ अशोक राठी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि अब पत्रकारिता की दिशा और दशा दोनों चीज बदल चुकी हैं। सोशल मीडिया के आने से पत्रकारिता में कई बड़े बदलाव आए हैं। अब कुछ ही मिनट में लोगों तक बड़ी से बड़ी सूचना पहुंच जाती हैं। सोशल मीडिया एक बड़ा प्लेटफार्म प्लेटफार्म है लेकिन इसका सकारात्मक इस्तेमाल करना चाहिए। लोगों तक सही व तथ्यात्मक सूचना जाए इसकी जिम्मेदारी पत्रकारों की होती है। इस अवसर पर कई बड़े अखबारों व चैनलों के पत्रकार मौजूद रहे, जिसमें पत्रकारिता के बदलते स्वरूप पर अलग-अलग वक्ताओं ने अलग-अलग विचार प्रस्तुत किया तथा नवोदित पत्रकारों को देश निर्माण में अहम भूमिका निभाने का सबक दिया गया। इस मौके पर सुरेंद्र दुआ, कासिम खान, शेर सिंह डागर, आशिफ अली चंदेनी, खलील अहमद एडवोकेट, हारून खान, ताहिर हुसैन, दिनेश देशवाल, अंतराम खटाना, ललित कुमार, आशीष गोयल, योगेश सैनी, सुरेंद्र माथुर, आस मोहम्मद, शौकीन कोटला, वकील, लियाकत अली, असलम खान, अभय सैनी, राजीव प्रजापति, राकेश शर्मा इत्यादि मौजूद रहे।

नशा समाज के लिए है बड़ा खतरा : कर्नल सोमवीर डबास

एनसीसी कैडेट्स की नशा मुक्त हरियाणा साइकिल यात्रा पहुंची नूंह

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। एनसीसी हरियाणा की 11वीं बटालियन ने हरियाणा में नशा मुक्ति हरियाणा साइकिल रैली की शुरुआत 14 नवंबर से भिवानी से की है। कर्नल सोमवीर डबास और फर्स्ट आफिसर राजेश कुमार की अगुवाई में रवाना हुई यह नशा मुक्ति हरियाणा साइकिल यात्रा शनिवार को नूंह पहुंच गई है। 17 नवंबर को यह यात्रा नूंह से होकर रेवाड़ी पहुंचेगी। नूंह में पहुंचने पर साइकिल रैली का भव्य स्वागत कर्नल संजय चावला, वी.एस.एम, सुबेदार मेजर राम सिंह, सुबेदार सन्नी भगत, और पी आई स्टाफ एवं एनसीसी कैडेंट्स ने किया। साईकिल रैली टीम में कर्नल सोमवीर डबास, फर्स्ट आफिसर राजेश कुमार, नामान सुवेदार हरी राम, हवलदार संजय, रविन्द्र, प्रदीप, कैडट्स आलोक, शुभम मिश्रा, राहुल, प्रवीण, दीपक, अतुल, राहुल, नीरज, अंकुश गोविन्द भाग ले रहे हैं।

कैडेट्स को सम्बोधित करते हुए कर्नल सोमवीर डबास ने कहा कि नशा मुक्त हरियाणा बनाने के लिए एनसीसी कैडेट्स महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। एनसीसी कैडेट्स नशा मुक्ति हरियाणा साइकिल रैली के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को नशे से दूर रहने और समाज को नशा मुक्त बनाने की अपील कर रहें हैं। उन्होंने कहा कि नशा हमारे समाज के लिए एक बड़ा खतरा है। आज का युवा नशे की लत में पड़ता जा रहा है जिससे अपने जीवन को अंधकारमय बना रहा है। एनसीसी कैडेट्स द्वारा निकाली जा रही है इस नशा मुक्ति हरियाणा साइकिल रैली के माध्यम से मास की जड़े में आए हुए युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव से होने वाले नुकसानों के बारे में जागरूक किया जाएगा और निश्चित ही यह यात्रा उन्हें नशे की बुरी लत से छुटकारा दिलाने में सहायक सिद्ध होगी।

लूट के प्रयास के मामले में अपराध शाखा ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

फिल्मी अंदाज से दिया था वारदात को अंजाम

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। बता दे कि 14 नम्बर की शाम करीब 4.45 पर अशोका एनक्लेव की मैन मार्किट में दक्ष ज्वेलर की दुकान पर लूट करने की कोशिश को अंजाम दिया गया था, परंतु ज्वेलर्स के मालिक की सूझबूझ से लूट की वारदात को विफल किया गया था। सहायक पुलिस आयुक्त, अपराध अमन यादव ने मामले में अधिक जानकारी देते बतलाए कि 14 नवंबर की शाम समय करीब 4.45 PM पर दो अनजान व्यक्तियों ने अशोका मैन मार्किट में एक ज्वेलर्स की दुकान पर लूट की वारदात को अंजाम देने की कोशिश की थी। इस वारदात के संबंध में पंकज मक्कड वासी कनिष्का रेजिडौंसी अशोका एन्कलेव- ।।। सेक्टर-35 फरीदाबाद की शिकायत पर थाना सराय ख्वाजा में अभियोग अंकित किया गया था। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त, ओमप्रकाश नरवाल, IPS द्वारा तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए गए, जिस पर पुलिस उपायुक्त अपराध मकसूद अहमद के मार्गदर्शन में कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा बदरपुर बॉर्डर की टीम ने 2 आरोपियों को सेक्टर 37 फरीदाबाद से गिरफ्तार किया है।

पूछताछ में पता चला कि दक्ष सेकटर-35 व शशांक सेकटर-34 का रहने वाला है। दक्ष साइबर कैफे व फाइनेंस का काम करता है। दोनों आरोपी दोस्त है। दोनों आरोपी शिकायतकर्ता दुकानदार के जानकार हैं और उन्होंने धान की इच्छा से इस वारदात को अंजाम दिया था। मुख्य आरोपी शिकायतकर्ता का पड़ोसी है। वारदात के समय दोनों आरोपी मौका ज्वेलरी शॉप से भाग गए थे। अपराध शाखा ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटे में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में सामने आया की मुख्य आरोपी दक्ष ज्वेलरी शॉप से खरीदारी करता रहता था। अभी कुछ दिन पहले ही उसने अपनी ज्वेलरी इसी दुकान पर बेची थी। उसने देखा कि इस ज्वेलरी शॉप में काफी सोने के आभूषण रखे हैं। जिस पर उसने अपने साथी के साथ मिलकर ज्वेलरी शॉप को लूटने की योजना बनाई और वारदात को अंजाम देने की कोशिश की परंतु वारदात को अंजाम नहीं दे सके। अपराध शाखा टीम द्वारा दोनों आरोपी दक्ष और शशांक को गिरफ्तार कर लिया गया है, दोनों आरोपी पुलिस पुलिस रिमांड पर हैं।

वाहन चोरी करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार, बाइक बरामद

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। अपराध शाखा बदरपुर बॉर्डर की टीम ने आरोपी को अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से गस्त के दौरान मोटरसाइकिल सहित बाई-पास रोड सेक्टर 37 से गिरफ्तार किया है। जिसका मामला थाना सराय ख्वाजा में 12 सितंबर को दर्ज किया गया था। गिरफ्तार आरोपी रहमत अली उर्फ चमोली राहुल कॉलोनी स्रूनगर का रहने वाला है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि उसने मोटरसाइकिल को सेक्टर 37 हुड्डा मार्केट से चोरी किया था। आरोपी पर पूर्व में थाना कोतवाली में अवैध हथियार का तथा थाना सेक्टर 17 में चोरी का मामला दर्ज है। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया।

कनीना में पिछले वर्ष की तुलना में हुई 83 हजार क्विंटल अधिक बाजरे की खरीद

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना मंडी में पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 83 हजार क्विंटल अधिक बाजरे की खरीद हुई है। मार्केट कमेट कनीना के सचिव विजय सिंह, मंडी सुपरवाइजर सतीश कुमार व हैफेड के खरीद अधिकारी रिषी शर्मा ने बताया कि कनीना की नयी आनाज मंडी चेलावास में बीते एक अक्टूबर से शुरू हुई बाजरे की खरीद 15 नवंबर को बंद हो गई है। डेढ माह की अवधि के दौरान यहां पर 11292 किसानों से 290406 क्विंटल बाजरे की बंपर आवक हुई है जबकि बीते वर्ष 207000 क्विंटल बाजरे की खरीद हुई थी। चालू वित वर्ष में यहां पर एमएसपी 2625 रूपये प्रति क्विंटल की दर से प्रारंभ में स्टेट वेयर हाउस की ओर से बाजरे की खरीद की गई उसके बाद हैफेड की ओर से बाजरा खरीदा गया। स्टेट वेयर हाउस की ओर से खरीदा गया बाजरा पलवल तथा जींद भेजा वहीं हैफेड की ओर से खरीदे गए बाजरे को हैफेड गोदाम उन्हाणी तथा महेंद्रगढ भेजा जा रहा है।

झुग्गी-झोंपडी में रहने वाले लोगों को सर्दी से बचाव के लिए वितरित किए गर्म कपडे

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। क्षेत्र में संचालित भारत विकास परिषद सामाजिक संगठन द्वारा बीते समय सर्दी से बचाव के लिए जरूरतमंद व्यक्तियों को गर्म कंबल वितरित किए थे उनकी प्रेरणा से दूसरे सामाजिक संगठनों की ओर से सर्दी की शुरूआत होने पर कपडे व स्वेटर वितरित किए गए हैं। मन्गौरी माता मंदिर समिति की ओर से झुग्गी- झोंपडी में रहने वाले महिलाओं, पुरुषों एवं बच्चों को ठंड से बचाव के लिए वस्त्र वितरित किए गए हैं। संगठन सदस्यों ने कहा कि असहाय की मदद करना पुण्य का कार्य है। उनकी ओर से समय-समय पर गरीब बेसहारा लोगों के बीच पहुंचकर सर्दी से बचाव हेतु गर्म कपड़ों का वितरण किया जाता है। शनिवार को समिति के सदस्य झुग्गी झोंपड़ी में वस्त्र लेकर गए। छोटे बच्चों के हाथ में जब गर्म कपड़े और स्वेटर पहुंचे तो वे खुश दिखाई दिए। महिलाओं और पुरुषों को भी गर्म वस्त्र वितरित किए गए। इस मौके पर संदीप, प्रदीप सुंदर, हरपाल उपस्थित थे।

आपदा प्रबंधन एवं प्राथमिक सहायता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

समाचार गेट/सोनिका सूरा

सिवानी मंडी। सेठ मेघराज जिंदल राजकीय महाविद्यालय, सिवानी के मीडिया प्रभारी महीपाल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉक्टर सत्यपाल सिंह के निर्देशानुसार महाविद्यालय में यूथ रेड क्रॉस इकाई द्वारा आपदा प्रबंधन एवं प्राथमिक सहायता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का डॉक्टर सत्यपाल सिंह व यशू शर्मा के नेतृत्व में आयोजन किया गया।इस विषय पर विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने के लिए रेड क्रॉस सोसाइटी भिवानी के सचिव प्रदीप कुमार एवं जिला प्रशिक्षण अधिकारी विकास कुमार व रामचन्द ने शिरकत की। इस कार्यक्रम में प्राथमिक सहायता व आपदा प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि आपदा प्रबंधन और प्राथमिक सहायता आज के समय की बहुत बड़ी जरूरत है। उन्होंने बताया कि आपदा से पहले इसका प्रबंध कर लेना चाहिए औऱ आपदा के दौरान व आपदा के बाद अगर प्राथमिक सहायता के सही तरीकों से हम अवगत हैं तो जान माल की सुरक्षा बहुत अच्छे से की जा सकती हैं। कई कई तरह के प्राथमिक उपचार जैसे सीपीआर, हड्डी की टूट, बेहोशी, बिजली का करंट लगना व भूकंप या बाढ़ से कैसे बचाव किया जाए इसके बारे में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया। इस मोके पर डॉ सतपाल सिंह, डॉ. येशु शर्मा, डॉ. सुजाता विश्नोई व डॉ. कृष्ण कुमार मौजूद रहे।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
♦ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
♦ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
♦ ग्रामीण संवाददाता ♦ फोटोग्राफर
♦ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

एक और बाघ की मौत, संकट में आ जाएगा मध्यप्रदेश का टाइगर स्टेट का दर्जा

-बाघ की मौत ने वन विभाग की लापरवाही उजागर की

भोपाल। मध्यप्रदेश के पेंच टाइगर रिजर्व में एक और बाघ की मौत ने वन्यजीव प्रेमियों और वन विभाग को हिल कर रख दिया है। दक्षिणी वन मंडल में एक बाघ की मृत अवस्था में प्राप्त हुई, जिसकी मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम से चला। रिपोर्ट के अनुसार, बाघ को चोट लगने के कारण शिकार करने में असमर्थ हो गया था, और वह कई दिनों तक इधर-उधर भटकता रहा। बाघ ने जंगल में भोजन की तलाश की, लेकिन अंतत- भोजन नहीं मिलने पर अपनी जिंदगी खो दी। यह घटना विशेष रूप से चिंता का विषय बनी है, क्योंकि बाघ का शव एक रिहायशी इलाके के नजदीक मिला था, और आसपास के ग्रामीणों ने बाघ के मूवमेंट की सूचना दी थी। इसके बावजूद, वन विभाग ने समय रहते ध्यान नहीं दिया। विभाग द्वारा जंगल में पेट्रोलिंग और सीसीटीवी निगरानी की जा रही है, फिर भी घायल बाघ का पता नहीं चल पाया। जहां एक ओर मध्यप्रदेश, जिसे देश का टाइगर स्टेट कहा जाता है, में बाघों की मौत का सिलसिला लगातार जारी है। पेंच टाइगर रिजर्व में मई 2024 में एक बाघिन का शव मिला था, बीते कुछ सालों में करंट लगने या अन्य कारणों से बाघों की मौतें सामने आई हैं। 2023 में भी करंट लगाकर एक बाघ का शिकार करने की घटना सामने आई थी।

बहराइच में तेंदुए के हमले में चार वर्षीय बालक की मौत, गांव में कोहराम

बहराइच । बहराइच जिले के बाजपुर गांव में तेंदुए के हमले में एक चार वर्षीय बालक की दुखद मौत हो गई। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह घटना तब हुई जब संदीप नामक युवक अपनी पत्नी और चार साल के बेटे अभिनंदन के साथ गन्ने की फसल काटने के लिए खेतों में गया था। तभी संदीप और उसकी पत्नी खेतों में काम कर रहे थे, जबकि उनका बेटा अभिनंदन खेल रहा था। अचानक, खेत में छिपे तेंदुए ने बच्चे पर हमला कर बच्चे को अपने मुंह में दबोचकर सरयू नहर की ओर भाग गया। इस दौरान परिजन शोर मचाते हुए तेंदुए के पीछे दौड़े, लेकिन तेंदुआ बच्चे को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। परिजनों और गांव वालों शोर मचाने पर तेंदुआ बच्चे को अधमरा करके छोड़ गया। इसके बाद गंभीर रूप से घायल बच्चे को परिजन तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वन क्षेत्राधिकारी आशीष गौड़ ने घटना की जानकारी देकर कहा कि पीड़ित परिवार को पांच हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है।

पाकिस्तान से बांग्लादेश पहुंचे 300 से ज्यादा कंटेनर, भारतीय सुरक्षा एजेंसियां हुई सतर्क

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को समुद्र के रास्ते हथियार भेजने का पहला कदम उठाया है, इससे भारतीय सुरक्षा प्रतिष्ठानों में चिंता बढ़ गई है। कराची से बांग्लादेश के चटगांव तक पहुंचे 300 से ज्यादा कंटेनरों में हथियारों की बड़ी खेप होने की खबर है। यह पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच 1971 के मुक्ति संग्राम के बाद पहला सीधा समुद्री संपर्क है, जो दोनों देशों के रिश्तों में एक नई शुरुआत का संकेत है। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद, मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने पाकिस्तान के साथ संबंधों में बदलाव का संकेत दिया है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के नेताओं की संयुक्त राष्ट्र की बैठक में मुलाकात के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने की उम्मीद जाहिर की थी। बांग्लादेश ने पाकिस्तान से तोपखाने के गोले, टैंक गोला-बारूद, विस्फोटक और प्रोजेक्टाइल का ऑर्डर किया था, और अब बांग्लादेश की सेना को पाकिस्तानी हथियारों की पहली खेप मिल चुकी है। वहीं भारतीय सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, समुद्री संपर्क से भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में दिक्कत बढ़ सकती है। चटगांव और मोंगला बांग्लादेश के प्रमुख बंदरगाह हैं, जो दशकों तक पाकिस्तान की पहुंच से बाहर थे। लेकिन अब बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच सीधा समुद्री संपर्क स्थापित होने से इन दोनों देशों के रिश्तों में नए समीकरण बन सकते हैं, जो भारत की सुरक्षा स्थिति के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं।

20 नवंबर को मतदान के कारण 6 राज्यों में रहेगी सार्वजनिक छुट्टी

नई दिल्ली। 20 नवंबर को झारखंड, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पंजाब, केरल और उत्तराखंड में मतदान होनो है जिसके चलते यहां सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। इन राज्यों में स्कूल, कॉलेज, बैंक, पोस्ट ऑफिस और सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे ताकि मतदाता बिना किसी बाधा के अपने मतदान का इस्तेमाल कर सकें। झारखंड में 38 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होना है यहां दूसरे चरण के लिए मतदान होगा। 12 जिलों के 528 उम्मीदवार मैदान में हैं। यहां 1.23 करोड़ से ज्यादा मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे। महाराष्ट्र में एक ही चरण में चुनाव होंगे। कुल 4,140 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जो 2019 के विधानसभा चुनाव की तुलना में 28 फीसदी ज्यादा हैं। वहीं यूपी की 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है जिसमें फूलपुर, गाजियाबाद, मझवां, खैर, मीरापुर, सीसामऊ, कटेहरी, करहल और कुंदरकी सीटें हैं। पंजाब में 4 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे जिसमें डेरा बाबा नानक, छब्बेवाल, गिद्दड़बाहा, बरनाला हैं। केरल की एक विधानसभा सीट पलक्कड़, उत्तराखंड की एक विधानसभा सीट केदारनाथ और महाराष्ट्र की एक लोकसभा सीट नांदेड़ लोकसभा पर मतदान होगा। राज्य सरकारों ने मतदान में नागरिकों की भागीदारी तय करने के लिए सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। सभी सीटों के परिणाम 23 नवंबर को आएंगे।

शिकायतों के बाद एक्शन में चुनाव आयोग, नड्डा और खड़गे से मांगा जवाब, दी यह सलाह

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय चुनाव आयोग ने शनिवार को बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अलग-अलग पत्र भेजकर एक-दूसरे की शिकायत पर टिप्पणी करने को कहा है। आयोग ने सोमवार दोपहर एक बजे तक दोनों पक्षों से औपचारिक प्रतिक्रिया मांगते हुए उनके बीच शिकायतों का आदान-प्रदान किया। ईसीआई ने पार्टी नेताओं को लोकसभा चुनाव के दौरान 22 मई, 2024 को दी गई एक पूर्व सलाह की याद दिलाई, जिसमें उन्हें स्टार प्रचारकों और नेताओं पर नजर रखने के लिए कहा गया था ताकि सार्वजनिक मर्यादा का उल्लंघन न हो और चुनाव के दौरान एमसीसी का अक्षरशः पालन किया जा सके।

यह महाराष्ट्र और झारखंड में चल रहे विधानसभा चुनावों में भाजपा और कांग्रेस द्वारा चुनाव आयोग से एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत करने के बाद आया है। कांग्रेस ने भारत के चुनाव आयोग से महायुति अभियान को बढ़ावा देने के लिए मराठी भाषा के टेलीविजन धारावाहिकों में रणनीतिक रूप से विज्ञापन दिए जाने की शिकायत की है। एक मराठी टेलीविजन चैनल कल से विज्ञापन चला रहा है जिसमें धारावाहिक के एक विशेष दृश्य के बाद शिव सेना के अभियान नारे का एक होर्डिंग दिखाया गया है। महाराष्ट्र कांग्रेस के महासचिव सचिन सावंत ने विज्ञापन लगाने को लेकर राज्य चुनाव आयोग से शिकायत की.

सावंत ने इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए राज्य चुनाव आयोग के अधिकारियों से संपर्क किया है। कांग्रेस नेता के अनुसार विज्ञापन कल से प्रसारित होना शुरू हुआ और आज तक चल रहा है और उन्हें एक अन्य मराठी मनोरंजन चैनल के धारावाहिकों पर ऐसे ही विज्ञापन चलने की शिकायत मिली है। भाजपा ने आरोप लगाया कि कुछ मुस्लिम संगठन अपने समुदाय के सदस्यों से धर्म के आधार पर इंडिया ब्लॉक को वोट देने की अपील करके महाराष्ट्र और झारखंड में चुनावी माहौल को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, और चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के पदाधिकारी मौलाना सज्जाद नोमानी ने कहा कि संगठन ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 269 सीटों पर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) और कुछ सीटों पर अन्य गैर-भाजपा दलों को समर्थन देने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि नोमानी ने मुसलमानों से एमवीए को वोट देने की अपील करते हुए कहा है कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे न केवल राज्य के भविष्य पर बल्कि पूरे देश के भविष्य पर असर डालेंगे। भाटिया ने दावा किया कि इससे पहले जमीयत उलेमा-ए-हिंद की लोहरदगा इकाई ने मुसलमानों से झारखंड में कांग्रेस-जेएमएम-आरजेडी-सीपीआई (एमएल) लिबरेशन गठबंधन के लिए एकजुट होकर वोट करने की अपील की थी।

एआईएमआईएम नेता अकबरुद्दीन ने दिया मराठा आरक्षण को अपना समर्थन

मुंबई। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन यानि एआईएमआईएम के नेता अकबरुद्दीन ओवैसी ने मराठा आरक्षण को अपना समर्थन दिया। उन्होंने महाराष्ट्र में तेलंगाना की तर्ज पर मुस्लिम आरक्षण लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा,卐महाराष्ट्र में मराठा नेताओं को मैं पूरी तरह से समर्थन दूंगा। वे मराठा आरक्षण के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जब भी उन्हें मेरी जरूरत हो, मैं उनका साथ दूंगा। लेकिन एक बात कहूंगा, कि हमारे तेलंगाना में मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। महाराष्ट्र में क्यों नहीं है? ऐसा क्यों है? इसका कारण यह है कि हमारा इतिहास मजबूत नहीं है। लोग हमेशा इल्जाम लगाते हैं। ओवैसी ने कहा, पहले राज शेखर रेड्डी मुख्यमंत्री थे, फिर चंद्रशेखर राव आए और उनकी टीम में हो गए। अब कांग्रेस के रेवंत रेड्डी आए और फिर, अकबर और असद भी उनके साथ आ गए। माफ करना मेरे भाई, मुख्यमंत्री के पास हम नहीं रहते, वे हमारे पास रहते हैं। जो भी मुख्यमंत्री होता है, उसे हमारी जरूरत होती है। उन्होंने कहा, 'कोई राम भक्त है, तब मैं उस तरह मोहम्मद और रसूल अल्लाह का चाहने वाला गुलाम हूं। मैं रसूल अल्लाह का आशिक हूं और आज मैं उनके आशिकों के बीच खड़ा हूं। रसूल के इश्क का वास्ता देते हुए, मैं यही अपील करता हूं कि वक्त बर्बाद करने का नहीं है, यह वक्त एक होने, संगठित होने और मुक्त होने का है।

एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे और अजित पवार ने शरद पवार की पीठ में छुरा घोंपा: रेवंत रेड्डी

चंद्रपुर (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सत्ता के लिए उद्धव ठाकरे जबकि उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शरद पवार की पीठ में छुरा घोंपा। चंद्रपुर जिले में महा विकास आघाडी (एमवीए) के उम्मीदवार के लिए एक रैली को संबोधित करते हुए रेड्डी ने कहा कि अगर महाराष्ट्र के लोग गर्व के साथ जीना चाहते हैं तो शिंदे और अजित पवार को (राजनीतिक रूप से) दफन कर देना चाहिए। उन्होंने कहा, एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे की पीठ में छुरा घोंपा और गुजरात का गुलाम बनना चुना।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने चाचा और गुरु शरद पवार की पीठ में छुरा घोंपा। मैं महाराष्ट्र के लोगों से अपील करता हूं कि अगर वे गर्व से सिर ऊंचा करके जीना चाहते हैं तो उन्हें शिंदे और अजित पवार को दफना देना चाहिए। रेड्डी ने दावा किया कि दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई समेत भारत के छह सबसे बड़े शहरों ने भाजपा को नकार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि गुजरात से मुंबई को लूटने के लिए दो लोग आए, जिनके नाम हैं प्रधानी और अडाणी है।

उन्होंने कहा, डबल इंजन सरकार का मतलब है कि एक (इंजन) प्रधानी है और दूसरा अडाणी है। अजित पवार ने कबूल किया था कि अडाणी एमवीए सरकार को गिराने की साजिश में शामिल थे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार ने राज्य सरकार में युवाओं को 50,000 नौकरियां दी हैं और यह उपलब्धि गुजरात सरकार भी हासिल नहीं कर सकती।

मुडा मामले में सीएम सिद्धारमैया और उनके परिवार की प्रत्यक्ष भूमिका नहीं

-लोकायुक्त पुलिस ने जांच रिपोर्ट में प्राधिकरण के अधिकारियों को ठहराया जिम्मेदार

बैंगलुरु (एजेंसी)। मैसूरु विकास प्राधिकरण (मुडा) के भूखंड आवंटन मामले में लोकायुक्त पुलिस ने जांच रिपोर्ट में सीएम एन. सिद्धारमैया और उनके परिवार की किसी भी प्रत्यक्ष भूमिका से इनकार कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भूखंड आवंटन में अनियमितताएं और त्रुटियां मुडा के अधिकारियों की ओर से हुई हैं। जांच में सीएम द्वारा पद और अधिकारों के दुरुपयोग के सबूत नहीं मिले हैं। उनके परिवार के सदस्य, विशेषकर उनकी पत्नी को भूखंड आवंटन में कोई अनुचित लाभ देने की पुष्टि नहीं हुई है। जांच में भूखंड आवंटन में त्रुटियों के लिए प्राधिकरण के अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। जांच में पाया कि अधिग्रहित भूमि को कृषि भूमि में परिवर्तित करने और भूखंड आवंटन प्रक्रिया में नियमों का पालन नहीं किया गया। सीएम सिद्धारमैया की पत्नी को 14 भूखंडों का आवंटन प्रक्रिया में हुई त्रुटियों के कारण हुआ, जिसे मुडा अधिकारियों की प्रशासनिक लापरवाही बताया गया है। लोकायुक्त पुलिस ने लोकायुक्त पुलिस महानिदेशक को स्टेटस रिपोर्ट सौंप दी है। मामले की जांच के दो चरण पूरे हो चुके हैं। जनप्रतिनिधि विशेष अदालत ने इस मामले में 25 दिसंबर तक जांच पूरी कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। मुडा के भूखंड आवंटन में कथित अनियमितताओं को लेकर विपक्षी दलों ने सीएम सिद्धरामैया पर सवाल उठाए थे। यह मामला तब चर्चा में आया जब आरोप लगे कि सीएम के परिवार को भूखंड आवंटन में विशेष लाभ दिया गया है। सीएम सिद्धारमैया के समर्थकों ने जांच रिपोर्ट का स्वागत करते हुए इसे विपक्षी दलों द्वारा रचा गया राजनीतिक षड्यंत्र बताया है। विपक्ष ने रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए जांच को और विस्तृत करने की मांग की है। यह रिपोर्ट सीएम के लिए राहत की खबर मानी जा रही है, लेकिन 25 दिसंबर को अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही मामले की तस्वीर पूरी तरह साफ हो सकेगी।

मनसे की सरकार आने पर महाराष्ट्र में मस्जिदों में लाउडस्पीकर की समस्या का समाधान होगा : राज ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने राज्य के नागरिकों से अपील की कि वे महाराष्ट्र को वैभवशाली बनाने के लिए उनकी पार्टी को वोट दें। ठाकरे ने ठाणे और कल्याण में आयोजित कई रैलियों में राज्य में व्याप्त राजनीतिक अस्थिरता की कड़ी आलोचना कर इस बदलने के लिए वोट करने को कहा। राज ठाकरे ने कहा, राजनीतिक और व्यक्तिगत मतभेदों से ऊपर उठकर हमें राज्य के कल्याण पर ध्यान देना चाहिए। असल में, मनसे ही राज्य के असल विकास का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। इसके साथ ही उन्होंने मस्जिदों में लाउडस्पीकर की समस्या का त्वरित समाधान करने की बात कही। ठाकरे ने कहा कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आती है, तब वह 48 घंटों के भीतर मुद्दे का हल निकाल लेगी। उन्होंने जोर दिया कि धार्मिक प्रथाओं से दूसरों को परेशानी नहीं होनी चाहिए और धर्म को घरों तक ही सीमित रहना चाहिए। ठाकरे ने कहा, सार्वजनिक सड़कों पर प्रार्थना के लिए जगह नहीं होनी चाहिए।

दिल्ली से लाहौर तक फैली जहरीली हवा, एक्युआई 450 के पार

-मौसम विभाग की अपील, मॉस्क लगाकर बाहर निकले, बुजुर्ग-बच्चे घर में ही रहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत और पाकिस्तान के बड़े हिस्से पर जहरीली हवा फैलने से संकट मंडरा रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने सैटेलाइट तस्वीरों में दिल्ली से लेकर लाहौर तक के इलाके को गैस चैंबर जैसी स्थिति में दिखाया है। स्थिर हवाओं और कम तापमान के कारण प्रदूषण का स्तर बढ़ता ही जा रहा है।

दिल्ली की बिगड़ती हवा से एक्युआई 450 के पार हो गया है। दिल्ली और आसपास के इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। सुबह 7 बजे दिल्ली का औसत एक्युआई 406 रहा। आनंद विहार और अशोक विहार में 438 दर्ज किया गया।प्रगति मैदान और आईटीओ जैसे इलाकों में एक्युआई 357 रहा, जिसे खराब श्रेणी में रखा गया है। दिल्ली-एनसीआर में स्मॉग की मोटी परत के कारण लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। आंखों और गले में जलन की समस्या उत्पन्न हो रही है। अस्पतालों में सांस और हृदय संबंधी बीमारियों के मामले सामने आ रहे हैं।

भारतीय मौसम विभाग ने 21 नवंबर तक पंजाब, दिल्ली, यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में तापमान में भारी गिरावट का अनुमान लगाया है। ठंड के साथ हवा की गति धीमी होने के कारण प्रदूषण का स्तर और खराब हो सकता है। मौसम प्रदूषण ने इससे बचने के उपाय बताएं हैं। जिसमें कहा गया है कि घर से बाहर निकलते समय मास्क का इस्तेमाल करें। बच्चे और बुजुर्ग घर के अंदर ही रहें। इनडोर एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें। मॉर्निंग वॉक या व्यायाम बाहर करने से बचें। आंखों की जलन से बचने के लिए चश्मा पहनें। यह जहरीली हवा केवल आज की समस्या नहीं है, बल्कि भविष्य के लिए एक बड़ा खतरा है। सामूहिक प्रयासों से ही इस संकट को दूर किया जा सकता है।

दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने जानबूझकर डीजल बसें भेज रहे भाजपा शासित राज्य : गोपाल राय

नई दिल्ली (एजेंसी)। बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली सरकार ने ग्रेप-3 (ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान-3) के तहत बीएस-6 से नीचे के डीजल इंजन वाली बसों की दिल्ली में प्रवेश पर रोक लगा दी है। हालांकि, नियम के बावजूद बीएस-3 और बीएस-4 डीजल इंजन वाली बसें दिल्ली में प्रवेश कर रही हैं। इन बसों का प्रवेश रोकने के लिए दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शनिवार को कश्मीरी गेट बस अड्डे पर औचक निरीक्षण किया।

मंत्री राय ने निरीक्षण में पाया कि दो बीएस-3 और बीएस-4 डीजल इंजन वाली बसें दिल्ली पहुंची हैं, जो दूसरे राज्यों से आई थीं। इसमें से एक हरियाणा और दूसरी उत्तराखंड से आई थी। दोनों बसों का 20-20 हजार रुपये का चालान किया गया। इसके अलावा, वे बसें जिनके पास प्रदूषण प्रमाणपत्र नहीं थे, उनका भी चालान उसी समय किया गया।

मंत्री राय ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसी भी हालत में प्रतिबंधित बसों को दिल्ली में प्रवेश नहीं मिलना चाहिए और सभी बसों की पूरी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि 30 प्रतिशत प्रदूषण दिल्ली के अंदर का है, जबकि 70 प्रतिशत प्रदूषण पड़ोसी राज्यों से आता है।

मंत्री ने बीजेपी शासित राज्यों खासकर उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और हरियाणा पर आरोप लगाकर कहा कि ये राज्य जानबूझकर डीजल बसें दिल्ली भेज रहे हैं, जो कि प्रतिबंधित हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार ने इन राज्यों को पहले ही पत्र लिखा था, जिसमें कहा गया था कि सर्दियों में दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने से बचने के लिए डीज़ल बसों को दिल्ली न भेजें, लेकिन इन राज्यों ने इस अनुरोध को नजरअंदाज किया।

श्रद्धा हत्याकांड के आरोपी अफताब की अदालत में हत्या करवाना चाहता था लॉरेंस

-बाबा सिद्दीकी की हत्या के मास्टरमाइंड शुभम ने खोले राज, एक महीने तक की थी रेकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने श्रद्धा वाकर हत्याकांड के आरोपी आफताब पूनावाला की हत्या का भी प्लान बनाया है। दिल्ली के साकेत कोर्ट में उसकी हत्या करने की योजना थी। इसके लिए एक महीने तक रेकी भी की थी। सूत्रों ने बताया कि मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मास्टरमाइंड और वॉन्टेड आरोपी शुभम लोनकर ने श्रद्धा वॉकर हत्याकांड में गिरफ्तार आरोपी आफताब पूनावाला की हत्या की योजना भी बनाई थी।

सूत्रों के मुताबिक लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े शुभम लोनकर ने 2022 में दिल्ली के साकेत कोर्ट में आफताब की हत्या करने के लिए एक महीने तक रेकी की थी। श्रद्धा वाकर हत्याकांड का आरोपी आफताब फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद है और उसे मिल रही धमकियों के बाद वह निशाना बन गया है। लॉरेंस के गुर्गों ने आफताब की हत्या करने के लिए एक महीने तक रेकी की थी, लेकिन दिल्ली पुलिस की कड़े सुरक्षा इंतजाम के चलते यह योजना कामयाब नहीं हो सकी।

सूत्रों ने बताया कि शुभम लोनकर को आफताब को खत्म करने के लिए मुंबई से दिल्ली बुलाया गया था और उसने एक महीने तक रेकी की थी। शुभम लोनकर साल 2022 में आफताब की गिरफ्तारी के बाद से ही कोर्ट में उसकी पेशी के दौरान आसपास दो शूटरों के साथ मौका तलाश रहा था। इस बीच, तिहाड़ जेल प्रशासन ने मीडिया रिपोर्टों पर तत्काल संज्ञान लिया और पूनावाला के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है।

बाबा सिद्दीकी हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार शिव कुमार गौतम ने पुलिस को बताया कि आफताब पूनावाला की हत्या करने की मंशा जताई है। इसके अलावा, सूत्रों ने पुष्टि की है कि आफताब अब लॉरेंस बिश्नोई गैंग के निशाने पर है, जो जेल के अंदर ही उसकी हत्या की साजिश रच रहा है। जेल अधिकारी हाई अलर्ट पर हैं ताकि संभावित खतरे की जांच करते समय आफताब की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा सके। 18 मई 2022 को दिल्ली के महरौली इलाके में आफताब ने कथित तौर पर श्रद्धा वाकर की हत्या कर शव के कई टुकड़े कर दिए थे। उसने शव के टुकड़े छतरपुर पहाड़ी इलाके के जंगल में फेंक दिए थे। नवंबर 2022 में उसे गिरफ्तार किया गया था।

इस बीच 23 जुलाई को साकेत जिला कोर्ट ने श्रद्धा वाकर की हत्या के मामले और आरोपी आफताब पूनावाला की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने अपने वकील को अपना बचाव तैयार करने के लिए उपयुक्त समय देने के लिए हर महीने केवल दो बार सुनवाई करने की मांग की थी। अदालत ने कहा कि आरोपी जानबूझकर मुकदमे में देरी करने की कोशिश कर रहा है। यह भी कहा गया कि जून 2023 से अभियोजन पक्ष के 212 गवाहों में से केवल 134 की ही जांच की गई है।

इसलिए मुकदमे को तेजी से पूरा करने के लिए तारीखों की जरूरत है।

एफपीआई ने बिकवाली करके 18,077 करोड़ के शेयर बेचे

सरकारी प्रतिभूतियों के यील्ड में अब सिर्फ 240 आधार अंक का अंतर है

नई दिल्ली ।

विदेशी निवेशक (एफपीआइएस) के निवेश की दिशा में बदलाव देखने को मिल रहा है, जैसे ही दोनों भारतीय ऋण और इक्विटी बाजारों से धीरे-धीरे निकाल रहे हैं। सीसीआईएल की रिपोर्ट के अनुसार नवंबर में एफपीआईएस ने शुद्ध बिकवाली करके सरकारी प्रतिभूतियों के 8750 करोड़ रुपये की बेची। अक्टूबर में इस आंकड़ा 5142 करोड़ रुपये था। विदेशी निवेशक इक्विटी बाजार से भी धीरे-धीरे बाहर निकल रहे हैं, जिसमें नवंबर में 18077 करोड़ रुपये के शेयर बेचे गए हैं। दक्षिण एशियाई बाजारों में अवेक्षण करने वाले जन स्मॉल फाइनैंस बैंक के ट्रेजरी और कैपिटल मार्केट्स के एक अे धिकारी कहते हैं कि सरकारी प्रतिभूतियों के यील्ड में अब सिर्फ 240 आधार अंक का अंतर है, जिससे भारतीय बाजार के लिए निवेश कम हो सकता है। अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में वृद्धि के संकेत हैं, जबकि डॉलर मजबूत हो रहा है जिससे भारतीय रुपया 84.41 प्रति डॉलर के

निचले स्तर पर उतार चढ़ाव देख रहा है। एवेंडस कैपिटल पब्लिक मार्केट्स के सीईओ कहते हैं कि एफपीआईएस की निवेश में जल्दी का उम्मीदवार नहीं है। हालांकि, बाजारों की समेकन अवधि में वृद्धि की उम्मीद है जिससे कंपनियों की आय बढ़ेगी और ब्याज दरों में कमी आ सकती है। उभरते बाजारों में भारत को एक आकर्षक विकल्प के रूप में देखा जा सकता है जिससे निवेशकों को स्थिरता की आशा है।

जियो ने बिना नीलामी सैटेलाइट संचार कंपनियों को स्पेक्ट्रम आवंटन का विरोध किया

बिना नीलामी के स्पेक्ट्रम आवंटन से स्थानीय संस्थाएं विदेशी सैटेलाइट कंपनियों से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगी

नई दिल्ली ।

रिलायंस जियो ने बिना नीलामी के सैटेलाइट संचार (सैटकॉम) कंपनियों को स्पेक्ट्रम आवंटित करने के प्रस्ताव का विरोध किया है। कंपनी ने कहा कि बिना नीलामी के स्पेक्ट्रम आवंटन से स्थानीय संस्थाएं सीधे विदेशी सैटेलाइट कंपनियों से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगी। दूरसंचार नियामक ट्राई को लिखे पत्र में कंपनी ने बताया कि एलन मस्क की स्टारलिंक और अमेजन की कुइपर के संयुक्त उद्यम ने पिछले कुछ वर्षों में तीनों प्रमुख भारतीय दूरसंचार कंपनियों की तुलना में अधिक क्षमता सृजित की है। जियो ने कहा, नीलामी के माध्यम से स्पेक्ट्रम आवंटन भारतीय संस्थाओं को सीधे विदेशी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने का अवसर प्रदान करेगा। विदेशी कंपनियों ने आईटीयू (अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ) के पहले आओ, पहले पाओ मानदंड के आधार पर प्राथमिकता सूची को अवरुद्ध कर दिया है और अपनी खुद की समूह योजना बनाई है। कंपनी ने उल्लेख किया कि स्पेक्ट्रम आवंटन/प्राथमिकता में पारदर्शिता

और निश्चितता के बिना, कोई भी भारतीय संस्था कभी भी अपना स्वयं का एनजीएसओ (गैर-भूस्थिर उपग्रह कक्षा) समूह शुरू नहीं कर पाएगी। उल्लेखनीय है कि 2023 के दूरसंचार अधिनियम में सैटकॉम कंपनियों को बिना नीलामी के प्रशासनिक रूप से स्पेक्ट्रम आवंटित करने का उल्लेख किया गया है। इसका कारण यह है कि सैटेलाइट कंपनियां आवंटित रेडियो फ्रीक्वेंसी को साझा स्पेक्ट्रम मानती हैं और उनका मानना है कि सैटकॉम इकाइयों को अलग-अलग फ्रीक्वेंसी आवंटित करना तकनीकी रूप से संभव नहीं है। जियो ने भी इस तर्क को यह कहते हुए खारिज कर दिया है कि सैटकॉम सेवाएं उन दूरसंचार सेवाओं की पूरक होंगी जहां कोई नेटवर्क कवरेज मौजूद नहीं है।

सैमसंग कर रही चिप बनाने में देरी का सामना

नई दिल्ली । ऐपल की प्रतिद्वंद्वी सैमसंग ने बताया कि वह अपनी आगामी मोबाइल सीरीज गैलेक्सी एस25 के लिए एक्सीनोस 2500 चिप बनाने में देरी का सामना कर रही है। इसके पीछे कंपनी का मानना है कि दक्षिण कोरिया में प्रति सप्ताह 52 घंटे का कार्य सीमा है, जिसके कारण वे अपने उत्पादन लक्ष्यों को पूरा करने में विफल रहे हैं।

सैमसंग ने अपने चिप प्रोडक्शन में देरी के कारणों का अजीब तर्क देते हुए कर्मचारियों की वर्किंग ऑवर्स को जिम्मेदार ठहराया है। सैमसंग का दावा है कि 52 घंटे की यह कार्य सीमा, जिसमें 12 घंटे का ओवरटाइम शामिल है, चिप उत्पादन की मांगों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। कंपनी के अनुसार, कार्य सीमा की वजह से उनके इंजीनियर जरूरत के समय भी काम बंद कर देते हैं, जिससे उत्पादन अधूरा रह जाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग के कई कर्मचारियों को बिना अतिरिक्त भुगतान के ओवरटाइम करना पड़ता है ताकि कंपनी अपने लक्ष्यों को हासिल कर सके। इसी के मद्देनजर, सैमसंग ने अधिक कार्य की अनुमति प्राप्त करने के लिए दक्षिण कोरिया के सांसदों से नीति परिवर्तन की चर्चा शुरू की है। हालांकि, सैमसंग के इस तर्क

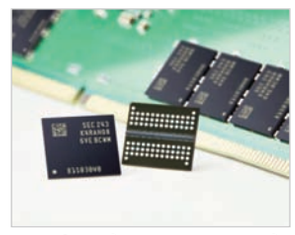

पर कई आलोचक सवाल उठा रहे हैं। प्रतिस्पर्धा में मौजूद ताइवान की टीएसएमसी जैसी अन्य कंपनियाँ सप्ताह में 48 घंटे के कार्यकाल में भी अपने लक्ष्यों को समय पर पूरा कर रही हैं। इसके अलावा, दक्षिण कोरिया की एसके हायनिक्स भी इन्हीं घंटों में काम कराकर अपने उत्पादन को पूरा कर रही है, जबकि सैमसंग अपने देरी का ठीकरा कार्य समय सीमा पर फोड़ रही है। दुनिया भर में कार्य घंटों के सामान्य औसत पर नजर डालें, तो अधिकांश देशों में कार्य समय प्रति सप्ताह 40 से 50 घंटे के बीच है। भारत में यह सीमा 48 घंटे प्रति सप्ताह है, जबकि अमेरिका में यह 38.5 घंटे और ऑस्ट्रेलिया में 36.5 घंटे प्रति सप्ताह है। वहीं, दक्षिण कोरिया में 52 घंटे की कार्य सीमा है, जो अन्य कई देशों की तुलना में अधिक है। फिर भी सैमसंग अपने लक्ष्यों को समय पर हासिल नहीं कर पा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि सैमसंग को अपनी आंतरिक प्रबंधन और रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

ईजमाईट्रिप प्लैनेट एजुकेशन ऑस्ट्रेलिया का करेगी अधिग्रहण

- प्लैनेट एजुकेशन के वैश्विक स्तर पर 25 कार्यालय हैं

नई दिल्ली ।

यात्रा बुकिंग प्लेटफॉर्म ईजमाईट्रिप ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह प्लैनेट एजुकेशन ऑस्ट्रेलिया प्राइवेट लिमिटेड की 49 प्रतिशत चुकता शेयर पूंजी का अधिग्रहण करेगी। यह अधिग्रहण ईजमाईट्रिप के ग्राहक आधार, एजेंट नेटवर्क, तकनीकी क्षमताओं और प्लैनेट एजुकेशन के वैश्विक शिक्षा नेटवर्क के बीच तालमेल को मजबूत करेगा। यह डील प्लैनेट एजुकेशन की वृद्धि की सार्वजनिक श्रेणी में महत्वपूर्ण कदम होगा। सिडनी में मुख्यालय वाली प्लैनेट एजुकेशन वैश्विक स्तर पर 25 कार्यालयों में उपस्थित है और 350 से अधिक विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग कर रही है। इस समान्वयन से प्लैनेट एजुकेशन और ईजमाईट्रिप की गति और गुणवत्ता में सुधारित होगा। ईजमाईट्रिप के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि हर साल लाखों छात्र उच्च शिक्षा के लिए विभिन्न देशों में जाते हैं। उन्होंने कहा प्लैनेट एजुकेशन के अधिग्रहण से हमें अंतरराष्ट्रीय अध्ययन पर्यटन के क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने का सामर्थ्य मिलेगा। यह आलेख संदेश करता है कि ईजमाईट्रिप का प्लैनेट एजुकेशन का अधिग्रहण किया

जाना साथ संयुक्त शक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण है जो उच्च शिक्षा एजेंसियों के लिए एक नया परिदृश्य स्थापित करेगा।

अनिल अंबानी की कंपनी की चूक की चर्चाएं तेज

- लोन की रकम के दुरुपयोग का आरोप, केनरा बैंक ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली ।

रिलायंस कम्युनिकेशंस के मालिक अनिल अंबानी की मुसीबतें दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। केनरा बैंक ने दावा किया है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस और उसकी सहायक कंपनी रिलायंस टेलीकॉम के लोन अकाउंट को फ्रॉड घोषित करने के लिए एक नोटिस जारी किया गया है। केनरा बैंक ने 28 अक्टूबर को नोटिस जारी किया था, जिसमें बताया गया कि कंपनी को साल 2017 में 1,050 करोड़ रुपये का लोन दिया गया था। इस लोन को चुकाने में रिलायंस कम्युनिकेशंस विफल रही। नोटिस के अनुसार बैंकों से मिलाकर कंपनी को कुल 31,580 करोड़ रुपये का लोन दिया गया था, जिसमें से करीब 13,668 करोड़ रुपये का इस्तेमाल लोन और अन्य भुगतानों के लिए किया गया था। इसके अलावा, बैंक दावा कर रहा है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस ने लोन की मंजूरी की शर्तों का भी उल्लंघन किया है। ऑडिट में पाया गया है कि कंपनी ने लोन के एक भाग का इस्तेमाल अनअथॉराइज्ड उद्देश्यों के लिए किया गया था। रिलायंस कम्युनिकेशंस ने बैंक के इस नोटिस का अभी तक जवाब नहीं दिया है। दिवालिया हो चुकी कंपनी ने दावा किया है कि वह दिवालियापन समाधान प्रक्रिया में है और किसी भी डांट के प्रति मुकदमा सुरक्षित है। इस विवाद की चर्चा व्यापक है और अनिल

अंबानी की कंपनी के भविष्य पर प्रश्न खड़े कर रही है। रिलायंस कम्युनिकेशंस की पक्ष और केनरा बैंक की भूमिका की समीक्षा जारी है, जो इस मामले का समाधान तय करेगी।

त्योहारी सीजन में वाहनों की मांग बढ़ी

- 42 दिन में बिक गईं 42,88,248 गाड़ियां

मुंबई । देश में यातायात सेवाओं की मांग में भारी बढ़ोतरी के बाद विविध वाहनों की बिक्री में भी वृद्धि दर्ज की गई है। डीलरों के संगठन ने जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष 42 दिन की त्योहारी अवधि में वाहनों का पंजीकरण 12 प्रतिशत तक बढ़कर 42,88,248 इकाई हो गई है। इसमें यात्री वाहनों की बिक्री में भी सात प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वाहन डीलर संघों के अध्यक्ष ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में मांग का अद्भुत उछाल देखने को मिला है, जिसने दोपहिया वाहनों की बिक्री में 14 प्रतिशत की वृद्धि को प्रेरित किया है। सिमित अवधि में ट्रैक्टर की बिक्री में कमी दर्ज की गई है, जबकि स्कूटर की बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई है। उद्योग संगठन सियाम ने बताया कि अक्टूबर में यात्री वाहनों की थोक बिक्री में मामूली वृद्धि दर्ज की गई है। इसके साथ ही, दोपहिया वाहनों की बिक्री में बढ़ोतरी भी देखने को मिली है। स्कूटर की बिक्री में भी अवधि के तुलना में वृद्धि की गई है। यह आंकड़े देशभर के राज्यीय परिवहन कार्यालयों से एकत्र किए गए हैं, जो वाहन वाणिज्य के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव दर्शाते हैं। सम्मानित उद्योग संगठनों के आगे देश के यातायात सेवाओं में सिफारिश देते हुए, ये आंकड़े असहनीय रूप से उत्तेजना देने वाले हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 675.65 अरब डॉलर पर

गोल्ड रिजर्व भी 1.94 अरब डॉलर घटकर 67.81 अरब डॉलर हुआ

मुंबई । भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले सप्ताह 6.48 अरब डॉलर घटकर 675.65 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है, जो सप्ताह के दौरान कम हो गया है। रिजर्व बैंक के हाल ही में बयान के मुताबिक विदेशी मुद्रा आस्तियों में 4.47 अरब डॉलर का घाटा होकर 585.38 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है। विदेशी मुद्रा भंडार का बदलाव बहुत महत्वपूर्ण है और इसका सीधा प्रभाव मुद्रा बाजारों पर होता है। विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट की यह सूचना देश की अर्थव्यवस्था पर भी प्रभाव डाल सकती है। विदेशी मुद्रा भंडार में गोल्ड रिजर्व की भी गिरावट हुई है, जो 1.94 अरब डॉलर घटकर 67.81 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है। अतः विदेशी मुद्रा भंडार में प्रमुख गिरावट और इसके प्रभाव की जांच आवश्यक है। साथ ही अंतरराष्ट्रिय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार भी 1.4 करोड़ डॉलर घटकर 4.30 अरब डॉलर पर आ गया है। यह भी एक महत्वपूर्ण विकेन्द्रित विषय है जिसे अधिक जानकारी और विश्लेषण की आवश्यकता है। रिजर्व बैंक की आंकड़ों के अनुसार यह सभी घटनाएं दर्शाती हैं कि कारोबारी समृद्धि और अर्थव्यवस्था को लेकर मुद्रा बाजार में उतार-चढ़ाव की संभावना है। इसके लिए विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं को समय रहते सावधानी बरतने की आवश्यकता हो सकती है।

वैश्विक ब्रोकरेज सीएलएसए का फिर भारत पर जोर, चीन में निवेश घटाया

- सीएलएसए ने दोनों देशों में निवेश की रणनीति में बदलाव करने का लिया है निर्णय

नई दिल्ली ।

वैश्विक ब्रोकरेज कंपनी सीएलएसए ने भारतीय शेयर बाजारों से निकलकर चीन में निवेश करने की घोषणा की है। ब्रोकरेज ने चीन में निवेश को अपनी रणनीति के महत्वपूर्ण हिस्से में बदल दिया है। इसके बजाय, वह भारत में निवेश को बढ़ाने का मंजूरी दी है। सीएलएसए की रिपोर्ट में कहा गया कि चीनी बाजारों में व्यापार की चुनौतियों के उभार के बाद, चीन में निवेश कम किया जा रहा है। इसके बजाय भारत में निवेश को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। व्यापारिक मामलों में चीन के विपक्षी नेता डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए भारी विचारधारा बयान किया गया है, जो एक व्यापारिक युद्ध की संभावनाओं का सिग्नल दे रहा है। इस संदर्भ में, सीएलएसए ने दोनों देशों में निवेश की रणनीति में बदलाव करने का निर्णय लिया है। अक्टूबर की शुरुआत में भारत में निवेश को कम करते हुए, सीएलएसए ने चीन में निवेश को बढ़ाने का फैसला किया था। हालांकि, अब ब्रोकरेज कंपनी ने इस निर्णय को वापस लेते हुए भारत में निवेश में वापसी की घोषणा की है। सीएलएसए के इस रूपांतरण के साथ, व्यापारिक दुनिया में स्थिति में एक सकारात्मक परिवर्तन आएगा। सीएलएसए का नया मुख्यालय भारत के वृद्धि और विकास के भविष्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शेयर बाजार में दूसरे सप्ताह भी गिरावट रही

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह भी गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट देखने को मिली जिसके बाद मंगलवार को मजबूती के बावजूद फिसला। बुधवार और गुरुवार को भी शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। गुरुनानाक जयंती पर शुक्रवार को बाजार बंद रहा। शेयर बाजार में बीते कुछ समय से जारी गिरावट का सिलसिला सोमवार को भी जारी रहा। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 484.98 अंक गिरकर 79,001.34 पर खुला और 9.83 अंक की मामूली बढ़त के साथ 79,496.15 पर बंद हुआ। निफ्टी 143.6 अंक फिसलकर 24,004.60 के स्तर पर खुला और 6.90 अंक गिरकर 24,141.30 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को मजबूत शुरुआत के बावजूद फिसल गया। शुरुआती सत्र में हरे निशान पर करोबार करने के बाद बैंकिंग और ऑटो सेक्टर के शेयरों में बिकवाली से बेंचमार्क सूचकांक फिसल गए। सेंसेक्स 675.23 अंकों की गिरावट के साथ 78,820.92 पर खुला और 820.97 अंक टूटकर 78,675.18 पर बंद हुआ। निफ्टी 221.10 टूटकर 23,920.20 पर खुला और 257.85 अंक फिसलकर

23,883.45 पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक, सेंसेक्स और निफ्टी 50 बुधवार को तिमाही परिणामों में कंपनियों की आय में मंदी और कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच एक बार फिर लाल निशान पर खुले।

बीएसई सेंसेक्स 78,495.53 पर खुला और 984 अंक या 1.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,691 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 23,822.45 पर खुला और 324 अंक की गिरावट के साथ 23,559 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार के कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी मामूली गिरावट के साथ सपाट खुले। सेंसेक्स 254.5 अंक चढ़कर 77,945.45 पर खुला और 110.64 अंक गिरकर 77,580.31 पर बंद हुआ। निफ्टी 86.25 अंक चढ़कर 23,645.30 पर खुला और 26.35 अंक की गिरावट के साथ 23,532.70 अंक पर बंद हुआ।

जीईएम पोर्टल के जरिये सार्वजनिक खरीद तीन लाख करोड़ के पार

जीईएम पोर्टल के माध्यम से केंद्रीय इकाइयों की खरीद में भी देखी गई वृद्धि

नई दिल्ली । जीईएम पोर्टल के माध्यम से सरकारी खरीद ने वित्त वर्ष के शुरुआती महीनों में एक बड़ी उछाल देखा है। इस माध्यम से अब तक तीन लाख करोड़ रुपये की सरकारी खरीद हो चुकी है, जिसके उल्लेख्य कारण मंत्रालयों और विभागों में खरीद गतिविधियों में वृद्धि है। जीईएम पोर्टल की शुरुआत से बीते वित्त वर्ष में केंद्रों और राज्यों के सरकारी विभागों तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों ने चार लाख करोड़ रुपये की खरीद की थी। इसके साथ ही जीईएम ने पंचायतों और सहकारी समितियों को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया है। जीईएम पोर्टल के माध्यम से केंद्रीय इकाइयों की खरीद में भी वृद्धि देखी गई है, जिसमें करीब 30,264 करोड़ रुपये का खाता है। इसके साथ ही 9.7 लाख से अधिक सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों ने जीईएम पर पंजीकरण करवाया है, जिन्हें कुल ऑर्डर का लगभग 40 प्रतिशत अंश प्राप्त हुआ है। जीईएम पोर्टल के माध्यम से सरकारी खरीद के लिए एक सुविधाजनक प्लेटफ़ॉर्म प्राप्त होने के साथ-साथ उद्यमों को भी बड़ी और छोटी स्केल पर व्यापार का मौका प्रस्तुत हो रहा है। इस स्थिति में जीईएम पोर्टल सरकारी खरीद के प्रक्रियाओं में सुधार और पारदर्शिता में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

अक्टूबर में दोपहिया वाहनों की बिक्री में 14.2 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली ।

अक्टूबर 2024 में देश में दोपहिया वाहनों की बिक्री में 14.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान कुल 21.64 लाख यूनिट दोपहिया वाहन बिके, जबकि अक्टूबर 2023 में यह आंकड़ा 18.96 लाख यूनिट था। यह जानकारी सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों में दी है। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने बताया कि इन त्योहारों ने ऑटो इंडस्ट्री की परफॉर्मेंस को महत्वपूर्ण बढ़ावा दिया। अक्टूबर 2024 में यात्री वाहनों की बिक्री भी बढ़ी, जिसमें कार और एसयूवी की बिक्री मिलाकर कुल 3.93 लाख यूनिट तक पहुंच गई, जो अक्टूबर 2023 के 3.9 लाख यूनिट के उच्च आंकड़े से 0.9 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि वाहन रजिस्ट्रेशन डेटा में भी दिखाई दी, जिसमें दोनों प्रकार के वाहनों (यात्री और दोपहिया) के रजिस्ट्रेशन में 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। हालांकि, तिपहिया वाहनों की बिक्री में 0.7 प्रतिशत की मामूली गिरावट आई और यह अक्टूबर 2024 में 0.77 लाख यूनिट रही। वहीं, रजिस्ट्रेशन में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि दोपहिया वाहनों की बिक्री में वृद्धि का प्रमुख कारण ग्रामीण आय में वृद्धि है। इस वर्ष सामान्य मानसून के कारण फसल की पैदावार बेहतर हुई, जिससे कृषि क्षेत्र में आय में वृद्धि हुई और ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग वस्तुओं की मांग में भी इजाफा हुआ।

इसके अतिरिक्त, सरकार द्वारा फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि से किसानों की आय में और भी बढ़ोतरी हुई। यह ट्रेंड केवल ऑटोमोबाइल क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि भारत के फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) सेक्टर में भी देखने को मिला है। नील्सनआईक्यू के सर्वेक्षण के अनुसार, जुलाई-सितंबर तिमाही में एफएमसीजी वस्तुओं की बिक्री में मूल्य के हिसाब से 5.7 प्रतिशत और मात्रा के हिसाब से 4.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वृद्धि लगातार तीसरी तिमाही में ग्रामीण मांग के कारण हुई, जो शहरी बाजारों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ी है। बताया जा रहा है कि बिक्री में बढ़ोतरी का मुख्य कारण देश में दशहरा और दीपावली जैसे प्रमुख त्योहारों का एक ही महीने में आना था, जो उपभोक्ता मांग में वृद्धि का कारण बने।

प्याज की कीमत में आई गिरावट

दिल्ली में प्याज की कीमत 67 रुपए किलो से 63 रुपए किलो गिरी

नई दिल्ली ।

दिल्ली में प्याज की कीमतों में मामूली गिरावट की खबर सभी को राहत देने वाली है। इस सप्ताह प्याज की कीमत 67 रुपए प्रति किलो से 63 रुपए प्रति किलो गिरी है। सरकार की उम्मीद है कि अगले 1-2 सप्ताह में और गिरावट आ सकती है। राजस्थान के अलवर में प्याज की फसल तैयार हो गई है, लेकिन दिवाली और छठ पर्व के दौरान मजदूरों की कमी के कारण फसल की कटाई में देरी हुई है। सरकारी सहकारी समितियां नैफेड और एनसीसीएफ ने प्याज की सप्लाई बढ़ा दी है। सरकार ने इस साल 4.75 लाख टन प्याज का बफर स्टॉक तैयार किया है। पिछले सप्ताह दो मालगाड़ियां प्याज लेकर दिल्ली पहुंची थीं और एक और मालगाड़ी नासिक से रवाना हो रही है। साथ ही, अब प्याज को मालगाड़ियों के माध्यम से भेजा जा रहा है, जिससे लोकल प्याज की आपूर्ति में वृद्धि हो रही है। आजादपुर मंडी में प्याज व्यापारी संघ के अध्यक्ष ने बताया कि कीमतों में स्थायी गिरावट की संभावना है, लेकिन इसमें थोड़ी देरी हो सकती है। वे उम्मीद कर रहे हैं कि खरीफ की फसल आने के बाद कीमतें और भी कम हो सकती है।

मैनकाइंड फार्मा ने भारत सीरम्स का हिस्सा गिरवी रखा

- कंपनी ने निजी नियोजन के आधार पर 10,000 करोड़ जुटाने की योजना बनाई

नई दिल्ली । मैनकाइंड फार्मा ने अपनी सहायक भारत सीरम्स ऐंड वैक्सीन्स लिमिटेड (बीएसवी) के लिए 5,000 करोड़ रुपये के गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र जारी किए हैं। इसके लिए कम्यूनिकेशन कंपनी कैटलिस्ट ट्रस्टीशिप लिमिटेड के साथ 39.68 फीसदी हिस्सेदारी का कदम उठाया गया है। यह कदम 10 अक्टूबर को तीन डिबेंचर ट्रस्ट डीड्स की व्यवस्था के तहत किया गया। गिरवी करार को 14 नवंबर को औपचारिक रूप दिया गया है। इससे मैनकाइंड फार्मा को एनसीडी जारी करने की संभावना है। कंपनी ने सितंबर में घोषणा की थी कि उन्होंने अपने निजी नियोजन के आधार पर 10,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनाई है। इसके तहत, 23 अक्टूबर को उन्होंने बीएसवी के पूर्ण स्वामित्व का अधिग्रहण किया था। गिरवी के लिए किसी रकम का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन इसके संदर्भ में कोई सौदा नहीं है। कंपनी ने नियामकीय सूचना में इसे स्पष्ट किया है। इस गिरवी से मैनकाइंड फार्मा की रणनीतिक पहल और वृद्धि योजना को सहारा मिलने की उम्मीद है। इसके जरिए कंपनी कि विकास की गति में मदद मिलेगी।

संजू सैमसन और तिलक के धमाकेदार शतक, साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत ने जीती 3-1 से सीरीज

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। भारत ने संजू सैमसन और तिलक वर्मा की धमाकेदार नाबाद शतकीय पारियों की बदौलत शुक्रवार को यहां चौथे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 138 रन से जीत हासिल कर श्रृंखला 3-1 से अपने नाम की। सैमसन (नाबाद 109) और वर्मा (नाबाद 120) के बीच दूसरे विकेट के लिए रिकॉर्ड 210 रन की अटूट साझेदारी से भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए एक विकेट पर 283 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

यह भारत का टी20 अंतरराष्ट्रीय में अब तक का विदेशी सरजमीं पर और दक्षिण अफ्रीकी धरती पर किसी भी देश द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर है। अर्शदीप सिंह (20 रन देकर तीन विकेट) के शानदार शुरूआती स्पैल की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 10 रन पर चार विकेट गंवा दिये थे और फिर पूरी टीम 18.2 ओवर में 148 रन पर सिमट गई। मैच के दौरान कई रिकॉर्ड टूटे जिसमें सबसे खास रिकॉर्ड दो भारतीय बल्लेबाजों का एक ही टी20 अंतरराष्ट्रीय पारी में शतक जड़ना रहा।

सैमसन और वर्मा ने दूसरे विकेट के लिए सिर्फ 93 गेंद में बनी 210 रन की साझेदारी भारत के लिए इस प्रारूप में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी भागीदारी भी रही। हैदराबाद के 22 वर्षीय तिलक ने महज 47 गेंद में नौ चौके और 10 छक्के जड़े जिससे वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार शतक जड़ने वाले दूसरे भारतीय बने।

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इस युवा प्रतिभा को मौका देने के लिए अपने पसंदीदा बल्लेबाजी स्थान को छोड़ने का फैसला किया जो उनकी नेतृत्व क्षमता दिखाता है। पहले मैच में शानदार शतक जड़ने वाले सैमसन ने 56 गेंद का सामना करते हुए अपनी शतकीय पारी में छह चौके और नौ छक्के जमाये। वर्मा के साथ मिलकर सैमसन ने एक बार फिर दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों की धुनाई की।

तीसरे नंबर पर वर्मा आत्मविश्वास और जोश से भरे दिखे। सैमसन ने पिछली पांच पारियों में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़े हैं जिसमें दो बार शून्य पर आउट होना भी शामिल हैं जबकि वर्मा ने लगातार दो टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़े। दक्षिण अफ्रीका की शुरूआत ही काफी खराब हुई, उसने तीसरे ओवर में 10 रन पर चार विकेट खो दिये थे। इस विशाल स्कोर का पीछा करते हुए बल्लेबाजों का दबाव में आना लाजमी था।

दक्षिण अफ्रीका ने पारी की तीसरी गेंद पर अपने सलामी बल्लेबाज रीजा हैंड्रिक्स का विकेट गंवाया जो अर्शदीप सिंह का पहला शिकार हुए। दूसरे ओवर में आल राउंडर हार्दिक पंड्या ने रेयान रिकेल्टन को पवेलियन भेज दिया। दक्षिण अफ्रीका ने 10 रन के स्कोर पर ऐडन मार्करम और हेनरिच क्लासेन के विकेट गंवा दिये जिससे स्कोर 10 विकेट पर चार रन था।

ऐसी शुरूआत के बाद दक्षिण अफ्रीकी पारी के जल्दी समाप्त होने की उम्मीद थी लेकिन टीम 18.2 ओवर तक खेलने में सफल रही। उसके लिए ट्रिस्टन स्टब्स ने 43 रन, डेविड मिलर ने 36 और मार्को यानसेन ने नाबाद 29 रन बनाये। भारत के लिए अर्शदीप के तीन विकेट के अलावा वरूण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल ने दो दो विकेट झटके।

इससे पहले सैमसन 51 गेंद में छह चौके और आठ छक्के से 100 रन पूरे किये और वर्मा ने अपना सैकड़ा पूरा करने के लिए 41 गेंद खेलीं जिसमें छह चौके और नौ छक्के शामिल थे। अभिषेक शर्मा (18 गेंद में 36 रन) को भी पावरप्ले में चार बड़े छक्के जड़कर पारी को लय देने का श्रेय मिलना चाहिए। बल्लेबाजी के लिए

अच्छी पिच पर भारतीय बल्लेबाजों ने रिकॉर्ड 23 छक्के लगाए।

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज गेराल्फ कोएत्जी चोटिल दिख रहे थे जिससे उन्हें गेंदबाजी में परेशानी हो रही थी और इससे भारत को फायदा ही हुआ। दोनों बल्लेबाजों ने मध्यम गति के गेंदबाज एंडिले सिमेलाने और लूथो सिपामला को खूब धुना। जब तक कप्तान एडेन मार्करम ने कोएत्जी को दूसरे स्पैल के लिए लगाया तब तक भारतीय बल्लेबाज अपना काम कर चुके थे। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने हड़बड़ाहट में लगाम कसने के लिए 17 वाइड गेंद फेंक दी।

केशव महाराज और ट्रिस्टन स्टब्स भी दोनों बल्लेबाजों के कोप से नहीं बच सके जिनके खिलाफ दोनों ने कट, पुल, स्लॉग स्वीप, रिवर्स स्वीप जैसे सभी शॉट लगाये। मैदान का कोई भी कोना ऐसा नहीं था जहां इन दोनों भारतीयों ने स्ट्रोक्स नहीं लगाये हों। बल्कि सैमसन का एक शॉट एक महिला दर्शक के गाल पर लगा जिससे वह दर्द से रो रही थी और टीवी कैमरों ने इसे कैमरे पर उतार लिया।

नेशंस लीग : रोनाल्डो के दो गोल से पुर्तगाल की पोलैंड पर बड़ी जीत

चेन्नई (एजेंसी)। मैड्रिड स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल के दम पर पुर्तगाल ने शुक्रवार को पोलैंड को 5-1 से हराकर नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। स्कॉटलैंड ने क्रोएशिया को 1-0 से हराकर नौ मैचों में अपनी पहली जीत दर्ज करके टूर्नामेंट के शीर्ष स्तर पर बने रहने की अपनी उम्मीदें बरकरार रखीं।

इस बीच बुखारेस्ट में रोमानिया और कोसोवो के बीच मैच को इंजरी टाइम में रोक दिया गया और बाद में इसे गोल रहित ड्रॉ पर रद्द कर दिया गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हाथापाई हुई और कोसोवो के खिलाड़ी मैदान से बाहर चले गए। यूरोपीय फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था यूईएफए ने यह नहीं बताया कि खेल को बीच में क्यों रोक दिया गया लेकिन कथित तौर पर कोसोवो के खिलाड़ी सर्बियाई समर्थक नारे सुनकर नाराज थे। इस फुटबॉल संस्था ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा, 'रोमानिया और कोसोवो के बीच यूईएफए नेशंस लीग मैच रद्द कर दिया गया है। यूईएफए उचित समय पर आगे की जानकारी देगा।% ग्रुप ए4 में पहले ही अपना पहला स्थान सुनिश्चित कर चुके स्पेन ने कोपेनहेगन में डेनमार्क को 2-1 से हराया। फ्रांस, इटली, जर्मनी, स्पेन और पुर्तगाल क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं।

रोनाल्डो ने पोर्टो में खेले गए मैच में शानदार प्रदर्शन किया और उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने पेनल्टी किक पर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का 134वां गोल किया और फिर कुछ देर बाद ओवरहेड किक पर गोल करके पुर्तगाल की तरफ से अपने कुल गोल की संख्या 135 पर पहुंचा दी। पोलैंड की इस हार से क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गईं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला जीत पर गदगद हुए वीवीएस लक्ष्मण... तुम पर गर्व

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम के मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण ने टी 20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में जीत को विशेष बताया है। भारत ने चौथे और अंतिम मैच में 135 रन से जीत दर्ज करके चार मैच की श्रृंखला 3-1 से जीती। इस श्रृंखला में बल्लेबाज तिलक वर्मा और संजू सैमसन तथा गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती ने प्रभावशाली प्रदर्शन कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। लक्ष्मण ने पोस्ट किया कि जिस तरह से हमारे खिलाड़ी पूरी श्रृंखला में खेले उससे मुझे वास्तव में उन पर बहुत गर्व है। श्रृंखला में 3-1 से जीत विशेष प्रयास का परिणाम है। सूर्यकुमार यादव ने बेहतरीन कप्तानी की और टीम की जीत में अहम योगदान दिया। सैमसन और तिलक ने बल्लेबाजी में कमाल दिखाया। वहीं गेंदबाजी के क्षेत्र वरुण का प्रदर्शन असाधारण रहा। पूरी टीम ने जिस तरह का प्रदर्शन किया और एक दूसरे की सफलता का आनंद उठाया, उससे मुझे इन खिलाड़ियों पर गर्व है। इस यादगार जीत के लिए बधाई। कप्तान सूर्यकुमार ने भी श्रृंखला में जीत को विशेष बताया। उन्होंने अपने साथियों को संबोधित कर कहा, 'शाबाश मेरे साथियों, हर किसी को बधाई। हर कोई जानता है कि विदेशों में श्रृंखला जीतना कितना मुश्किल है। प्रत्येक खिलाड़ी ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई। प्रत्येक खिलाड़ी को श्रेय जाता है।

करनाली याक्स टीम से जुड़े शिखर धवन, फिर लगाएंगे मैदान पर छक्के-चौके

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन फिर से क्रिकेट मैदान पर चौके छक्के लगाते नजर आएंगे। धवन करनाली याक्स टीम में शामिल हो गए हैं। वह नेपाल प्रीमियर लीग (एनपीएल) के उद्घाटन सत्र में खेलते नजर आएंगे। उनका यह फैसला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) द्वारा उन्हें 2025 मेगा-नीलामी से पहले रिलीज करने के बाद आया है। आईपीएल 2024 में शिखर धवन ने पांच मैचों में पंजाब किंग्स फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व किया और 125.62 की स्ट्राइक रेट से 152 रन बनाए थे। घायल होने के बाद वह नहीं खेल पाए थे।

करनाली याक्स ने धवन से जुड़ाव का ऐलान करते हुए एक्स पर लिखा- करनाली याक्स नेपाल प्रीमियर लीग में गब्बर की प्रचंड ऊर्जा शिखर धवन ला रहे हैं! अपने आप को संभालो क्योंकि गब्बर आ गया है। इससे पहले अगस्त में शिखर धवन ने अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। अपने फैसले की घोषणा करने के लिए एक भावनात्मक संदेश में धवन ने अपने शानदार करियर पर पर्दा डाला। उन्होंने सभी प्रारूपों में भारत का प्रतिनिधित्व किया, लेकिन वनडे उनकी खासियत थी। उन्होंने 167 वनडे में 44.1 की औसत से 6,793 रन बनाए जिसमें 17 शतक और 39 अर्द्धशतक शामिल हैं।

टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने मुरली विजय के साथ शानदार खेल खेला है। धवन ने 34 मैचों में 40.6 की औसत से 2,315 रन बनाए। उनके टेस्ट करियर में सात शतक और पांच अर्धशतक शामिल रहे। टी20ई प्रारूप में धवन ने 68 मैच खेले और 27.9 की औसत से 1,759 रन बनाए, जिसमें 11 अर्द्धशतक शामिल हैं। घरेलू सर्किट में, धवन ने 122 प्रथम श्रेणी क्रिकेट मैच खेले और 44.26 की औसत से 8,499 रन बनाए, जिसमें 25 शतक और 29 अर्द्धशतक शामिल हैं।

आईसीसी का ऐलान, चैंपियंस ट्रॉफी 15-26 जनवरी तक भारत के शहरों में करेगी भ्रमण

दुबई । अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने घोषणा की कि 2025 पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी टूर इस्लामाबाद से शुरू होगा। ट्रॉफी को शहर के प्रसिद्ध स्थलों जैसे दमन-ए-कोह, फैसल मस्जिद और पाकिस्तान स्मारक में भी प्रदर्शित किया जाएगा, इसमें दिग्गज तेज गेंदबाज शोएब अख्तर भी मौजूद रहने वाले है। ट्रॉफी टूर हर बड़े आईसीसी इवेंट से पहले एक प्रमोशनल इवेंट होता है, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा घोषणा करने के बाद यह एक बड़े विवाद में फंस गया कि स्कार्दू, मुरी, हुंजा और मुजफ्फराबाद जैसे स्थान, जो कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आते हैं, चैपियंस ट्रॉफी टूर सूची में शामिल किए गए थे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा कड़ी आपत्ति जताने बाद आईसीसी द्वारा घोषित ट्रॉफी टूर कार्यक्रम में केवल मुरी को रखा गया है, जबकि 25 नवंबर तक पाकिस्तान संस्करण की यात्रा के लिए तक्षशिला, खानपुर, एबटाबाद, नथिया गली और कराची जैसे स्थानों को सूची में रखा गया है। आईसीसी के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी अनुराग दहिया ने कहा, सभी भाग लेने वाले देशों में प्रदर्शित किए जाने वाली विजेता ट्रॉफी से खेल के उत्साही प्रशंसकों को प्रतिष्ठित ट्रॉफी के करीब होने का अविस्मरणीय अनुभव मिलेगा। ट्रॉफी 26-28 नवंबर तक अफगानिस्तान का दौरा करेगी, फिर 10-13 दिसंबर तक बांग्लादेश और 15-22 दिसंबर तक दक्षिण अफ्रीका में रहेगी। इसके बाद 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक ऑस्ट्रेलिया में रहेगी और उसके बाद 6-11 जनवरी तक न्यूजीलैंड जाएगी।

फिर पिता बने रोहित शर्मा... पत्नी ने दिया बेटे को जन्म

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा फिर से पिता बने हैं, उनकी पत्नी रितिका सजदेह ने बेटे को जन्म दिया है। 15 नवंबर को रितिका ने बेटे को जन्म दिया। यह खुशखबरी प्रशंसकों के बीच तेजी से फैल रही है, हालांकि दंपति ने अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। रोहित और रितिका ने 13 दिसंबर 2015 को शादी की थी और उनके परिवार में पहले से एक बेटी समायरा है, जिसका जन्म 2018 में हुआ था। रोहित ने अपनी पत्नी के साथ रहने के लिए पितृत्व अवकाश लिया है। वर्तमान में भारतीय टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी कर रही है, लेकिन रोहित ने अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दी है। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बताया कि रोहित की पहले टेस्ट में भागीदारी को लेकर अभी कोई स्पष्टता नहीं है, लेकिन उम्मीद है कि अगर घर पर सब कुछ ठीक रहा, तब वह टीम में शामिल हो सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, रोहित ने मुंबई में नेट्स पर अभ्यास जारी रखा है, ताकि वह महत्वपूर्ण सीरीज के लिए तैयार रहें। प्रशंसक इस समय सोशल मीडिया पर दंपति को बधाइयाँ देने में जुटे हैं और रोहित के जल्द से जल्द मैदान पर लौटने की उम्मीद कर रहे हैं। उनके बेटे के जन्म ने क्रिकेट जगत और उनके चाहने वालों के बीच उत्साह की लहर दौड़ा दी है। रोहित शर्मा का यह कदम फिर दर्शाता है कि वह एक जिम्मेदार पिता और पति के साथ-साथ एक समर्पित खिलाड़ी भी हैं।

भारतीय मुक्केबाज नीरज गोयत ने सुपर-मिडिलवेट मुकाबले में व्हिंडरसन नून्स को हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीरज गोयत ने शुक्रवार को टेक्सास के अर्लिंग्टन स्थित एटी एंड टी स्टेडियम में जेक पॉल बनाम माइक टायसन नेटफ्लिक्स इवेंट के अंडरकार्ड सुपर-मिडिलवेट मुकाबले में व्हिंडरसन नून्स को हराया।

डब्ल्यूबीसी रैंकिंग में जगह बनाने वाले पहले भारतीय मुक्केबाज ने छह राउंड की गैर-टाइटल लड़ाई में 60-54 के व्यापक अंतर से सर्वसम्मत निर्णय से अपना मुकाबला जीता। यह भारतीय मुक्केबाज का एकतरफा मुकाबला था, जिसने पूरे मुकाबले में अपना दबदबा बनाए रखा।

भारत के 33 वर्षीय मुक्केबाज ने अपने पिछले पांच मैचों में से चार जीते हैं, जिसमें उनकी आखिरी जीत पिछले साल दूसरे दौर में फाकोर्न ऐम्योद पर तकनीकी नॉकआउट (टीकेओ) से जीत के रूप में आई थी।

उनके प्रतिद्वंद्वी, नून्स ने हाल ही में मिसफिट्स बॉक्सिंग प्राइम कार्ड में नाथन बार्टलिंग से हारकर अपना पेशेवर पदार्पण किया। ब्राजीलियाई मुक्केबाज केवल प्रदर्शनी मैचों में ही दिखाई दिए हैं। उनका मुकाबला टायसन और पॉल के बीच बड़े मुकाबले से पहले पांच अंडरकार्ड मुकाबलों में से अंतिम था।

जेक पॉल ने दिग्गज मुक्केबाज माइक टायसन को हराया

नई दिल्ली। युवा यूट्यूबर से मुक्केबाज बने जेक पॉल ने शुक्रवार रात 58 वर्षीय पूर्व हेवीवेट चैंपियन दिग्गज मुक्केबाज माइक टायसन पर सर्वसम्मति से जीत हासिल की। जजों के अनुसार मुकाबला करीबी नहीं था, एक ने पॉल को 80-72 की बढ़त दी, जबकि अन्य दो ने इसे 79-73 बताया। टायसन शुरुआती घंटी बजने के तुरंत बाद पॉल के पीछे आए और कुछ तेज़ मुक्के मारे, लेकिन बाकी समय उन्होंने कुछ और करने की कोशिश नहीं की। यह लगभग 20 वर्षों में टायसन का पहला स्वीकृत पेशेवर मुकाबला था, जहां उनका सामना एक नौसिखिए मुक्केबाज से था। टायसन के शुरुआती सेकंड में तेज धमाके के बाद पॉल अधिक आक्रामक हो गए, लेकिन मुक्के बहुत प्रभावी नहीं थे। कई बार उन्होंने बेतहाशा वार किए और चूक गए, हालांकि इसके बाद भी उन्होंने अंत में जीत दर्ज की। यह टायसन के लिए 2005 के बाद से पहली स्वीकृत लड़ाई थी, जबकि पॉल ने चार साल से थोड़ा अधिक समय पहले लड़ना शुरू किया था। यह मुकाबला मूलत: 20 जुलाई को होना था, लेकिन उड़ान के दौरान बीमार पड़ने के बाद पेट के अल्सर के उपचार के लिए टायसन को ले जाया गया, जिसके कारण इसे स्थगित करना पड़ा।

भारत/ऑस्ट्रेलिया : शुभमन गिल के लगी गंभीर चोट, पर्थ टेस्ट से लगभग बाहर

नई दिल्ली/पर्थ (एजेंसी)। भारत को शनिवार को बड़ा झटका लगा जब शीर्ष क्रम के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल के बाएं हाथ के अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया जिसके कारण वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के 22 नवंबर से पर्थ में शुरू हो रहे पहले टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। भारत की पिछली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में मिली जीत के युवा नायकों में से एक गिल बल्लेबाजी के मुख्य आधार हैं और अगर कप्तान रोहित शर्मा पहले टेस्ट से बाहर हो जाते हैं तो भारत का शीर्ष क्रम कमजोर दिख सकता है।

टीम को दो टुकड़ों में विभाजित करके कराए गए अभ्यास मैच के दूसरे दिन क्षेत्ररक्षण करते समय गिल को चोट लगी। वह चोट के बाद काफी दर्द में दिख रहे थे और स्कैन के लिए तुरंत मैदान से बाहर चले गए। इस मामले की जानकारी रखने वाले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र के अनुसार गिल के बाएं अंगूठे में फ्रैक्चर है और टेस्ट शुरू होने में एक सप्ताह से भी कम समय बचा है इसलिए इस स्टाइलिश दाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए शुरुआती मैच के लिए समय पर फिट होना लगभग असंभव होगा।

अंगूठे के फ्रैक्चर को ठीक होने में आम तौर पर लगभग 14 दिन लगते हैं जिसके बाद व्यक्ति से अपने नियमित नेट सत्र शुरू करने की उम्मीद की जाती है। पर एडिलेड में दूसरा टेस्ट छह दिसंबर से शुरू हो रहा है तो संभावना है कि वह उस मैच के लिए समय पर फिट हो जाएंगे। गिल की अनुपस्थिति राष्ट्रीय टीम के लिए बहुत मुश्किल भरी हो सकती है क्योंकि वह तीसरे नंबर के लिए अहम बल्लेबाज हैं और रोहित की अनुपस्थिति में उन्हें यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत कराने के लिए विचार किया जा सकता था।

वहीं लोकेश राहुल को भी टीम के अभ्यास मैच के शुरुआती दिन प्रसिद्ध कृष्णा की शॉर्ट गेंद से कोहनी में चोट लगी है और उन्हें मैदान छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। राहुल के चोट वाले हिस्से पर 'आइसिंग' की जरूरत पड़ी और वह शनिवार को अभ्यास के दूसरे दिन मैदान पर नहीं उतरे। हालांकि ऐसा एहतियात के तौर पर किया गया। अगर गिल अनुपस्थित रहते हैं तो अभिमन्यु ईश्वरन को टेस्ट पदार्पण का मौका मिल सकता है क्योंकि भारत के पास ज्यादा विकल्प नहीं हैं। हालांकि बेटे के पिता बने कप्तान रोहित शर्मा अगर तीन दिन की ट्रेनिंग के लिए टीम में शामिल होने का फैसला करते हैं तो कहानी अलग होगी।

मोहम्मद शमी ने रणजी ट्रॉफी में 43.2 से अधिक ओवर गेंदबाजी करते हुए सात विकेट लिए हैं और 37 रन बनाए हैं। इससे निश्चित है कि वह दूसरे टेस्ट से पहले टीम से जुड़ने जा रहे हैं। अभ्यास मैच का आखिरी दिन रविवार को होगा जिसके बाद रिजर्व खिलाड़ियों को छोड़कर भारत ए की टीम भारत वापस आ जाएगी और खिलाड़ी सैयद मुश्ताक अली

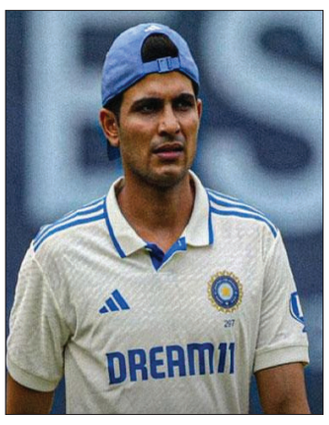

ट्रॉफी के लिए अपने राज्य की टीमों से जुड़ेंगे। इसके बाद मुख्य टीम पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम जाएगी जहां वह शुक्रवार से शुरू होने वाले टेस्ट में उतरने से पहले मंगलवार से गुरुवार तक तीन नेट सत्र में हिस्सा लेगी।

केएल राहुल की वापसी का लक्ष्य : आईपीएल में प्रदर्शन से नई राह की उम्मीद

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया)। खराब फॉर्म के बावजूद भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ने तीनों प्रारूपों में खेलने की अपनी महत्वाकांक्षा को दोहराया है। आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को वह टी20 टीम में वापसी का जरिया मान रहे हैं। राहुल, जिन्होंने 2022 से अब तक टेस्ट में संघर्ष किया है, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में ओपनिंग का मौका मिलने की उम्मीद कर सकते हैं। राहुल ने कहा, 'मैं भारत के लिए तीनों प्रारूपों में खेलना चाहता हूं। पिछले कुछ समय से मैं टी20 टीम से बाहर हूं, लेकिन मुझे पता है कि वापसी के लिए क्या करना है। आईपीएल के नए सत्र का इंतजार कर रहा हूं ताकि अपने प्रदर्शन से टी20 टीम में फिर से जगह बना सकूं।' राहुल का हालिया फॉर्म चिंता का विषय रहा है। उन्होंने 2022 से 12 टेस्ट मैचों की 21 पारियों में केवल 514 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 25.7 रहा। इसके बावजूद राहुल ने जोर देकर कहा कि वह व्यक्तिगत आंकड़ों की बजाय टीम के लिए खेलने को प्राथमिकता देते हैं। राहुल ने कहा, 'हमेशा से मेरी प्राथमिकता टीम रही है। व्यक्तिगत प्रदर्शन से ज्यादा टीम के लिए योगदान देना मायने रखता है। अगर मैं टेनिस खेल रहा होता, तो स्थिति अलग होती, लेकिन क्रिकेट में टीम के लिए अलग-अलग भूमिकाएं निभानी पड़ती हैं।' राहुल का मानना है कि आईपीएल उनके लिए मंच प्रदान करेगा, जहां वह अपने फॉर्म को सुधारकर राष्ट्रीय टीम में जगह पक्की कर सकते हैं। भारतीय टीम में वापसी के लिए राहुल के पास आईपीएल के अलावा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी खुद को साबित करने का मौका होगा। अगर रोहित शर्मा पहले टेस्ट से बाहर रहते हैं, तो राहुल के पास पारी की शुरुआत का मौका होगा। हालांकि, उनके हालिया प्रदर्शन ने टीम प्रबंधन के सामने चयन को लेकर सवाल खड़े किए हैं। राहुल के लिए यह सीजन बेहद महत्वपूर्ण है, जहां उनका प्रदर्शन उनके भविष्य का रास्ता तय कर सकता है। टीम में उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों को लेकर उन्होंने जो समझ दिखलाई है, उससे उनकी वापसी की संभावनाएं मजबूत हो सकती हैं।

पंत का दुर्घटना की चोट से उबरना चमत्कार था, मुझे लगा था कि वह कभी नहीं खेल पायेंगे: शास्त्री

मेलबर्न (एजेंसी)। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने भीषण कार दुर्घटना के बाद जब विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को अस्पताल में देखा था तब उनके क्रिकेट भविष्य को लेकर अनिश्चित थे। उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज के चोट से उबरने को 'चमत्कार' करार दिया। पंत ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बीते सत्र में सीमित ओवरों की क्रिकेट में वापसी करने के बाद दलीप ट्रॉफी से लाल गेंद प्रारूप में सफल वापसी की थी। वह बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में भारतीय टीम का हिस्सा थे। शास्त्री ने 'न्यूज डॉट कॉम डॉट एयू' से कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो, अगर आपने उसे देखा होता तो आप उससे दोबारा क्रिकेट खेलने की उम्मीद नहीं करते।''

भारत के इस पूर्व हरफनमौला ने कहा, ''मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा। वह बहुत पीड़ादायक स्थिति में था। उसके चोटिल होने के एक महीने बाद मैं उसे अस्पताल में देखने गया था। उसे काफी चोट लगी थी और पूरे शरीर पर चोट के निशान थे।'' शास्त्री ने कहा, ''उसका एक बड़ा ऑपरेशन हुआ था और हर जगह टांके लगे थे। उस स्थिति से ठीक होकर क्रिकेट खेलना एक चमत्कार है। फिर आगे बढ़ना और विश्व कप विजेता टीम में खेलना और टेस्ट टीम का हिस्सा बनना वास्तव में एक बड़ी और उल्लेखनीय उपलब्धि है।''

भारतीय टीम 22 नवंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों बॉर्डर गावस्कर श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया में है और इस देश में पंत का औसत 62 का है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दो दौरे में टीम की सफलता में शानदार भूमिका निभाई थी। सड़क दुर्घटना की चोट से वापसी करने के बाद से पंत शानदार लय में है। शास्त्री ने कहा, '' वह शानदार लय के साथ ऑस्ट्रेलिया आया है। वह ऐसा खिलाड़ी जिसका खौफ ऑस्ट्रेलिया की टीम में है। जब वह अस्पताल में था तब हालांकि इस बात की बेहद कम संभावना था कि वह इस दौरे का हिस्सा बनेगा।'' शास्त्री ने कहा, ''अब जब आप उनसे बात करते हैं तो खेल के प्रति उनके मन में सम्मान और भी बढ़ जाता है। अपनी वापसी के बाद से वह इस खेल को और अधिक महत्व देता है। मैंने उसे टेस्ट क्रिकेट के मुताबिक फिटनेस हासिल करने के लिए काफी कड़ी मेहनत करते हुए देखा है।'' पंत दिसंबर 2022 में नयी दिल्ली से अपने गृह नगर रुड़की लौटते समय कार दुर्घटना में घायल हो गए थे।

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

द राणा दग्गुबाती शो की दस्तक जल्द, प्राइम वीडियो ने दिलचस्प अंदाज में दी जानकारी

बहुमुखी प्रतिभा के धनी राणा दग्गुबाती ने फिल्मों में अपनी दमदार भूमिकाओं से दर्शकों का दिल जीता है। दग्गुबाती ने ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली से एक अभिनेता के रूप में राष्ट्रीय लोकप्रियता हासिल की, लेकिन अब वह अपने रचनात्मक पक्ष के विस्तार पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।राणा दग्गुबाती अपना टॉक शो ला रहे हैं। इसके लिए उन्होंने ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो के साथ सहयोग किया है।

द राणा दग्गुबाती शो के लॉन्च डेट से उठा पर्दा

राणा दग्गुबाती, अमेजन प्राइम वीडियो के साथ मिलकर अपना टॉक शो द राणा दग्गुबाती शो लॉन्च कर रहे हैं। आगामी टॉक शो से अभिनेता का एक पोस्टर साझा करते हुए, निर्माताओं ने खुलासा किया कि नया शो 23 नवंबर, 2024 को रिलीज होगा। राणा दग्गुबाती द्वारा होस्ट किए जाने वाले इस शो में आठ एपिसोड होंगे। शो में टॉलीवुड हस्तियों के जीवन की एक अनफिल्टर्ड झलक देखने को मिलेगी। पोस्टर को एक्स पर साझा करते हुए प्राइम वीडियो इंडिया ने कैप्शन में लिखा, सितारों को आप जानते हैं, उनकी कहानियों को नहीं। द राणा दग्गुबाती शो, अमेजन प्राइम वीडियो पर। नए पोस्टर में राणा हमेशा की तरह शानदार दिख रहे हैं। पोस्टर में अभिनेता का कूल अंदाज देखते ही बन रहा है।

टॉक शो में नजर आएंगे ये सितारे

दिलचस्प बात यह है कि जब शुरुआत में इस सीरीज की घोषणा की गई थी तो इसे राणा कनेक्शन के रूप में पेश किया गया था। हालांकि, अब इसका शीर्षक बदलकर द राणा दग्गुबाती शो कर दिया गया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म के अनुसार, शो में कई सितारे शामिल होंगे, जिनमें दुलकर सलमान, नागा चैतन्य अक्किनेनी, सिद्धू जोनलगड्डा, श्री लीला, नानी, एस.एस. राजामौली, राम गोपाल वर्मा और कई अन्य शामिल हैं।

पुष्पा 2 द रूल में होगा श्रीलीला का स्पेशल सॉन्ग, ये अभिनेत्रियां कर चुकी हैं आइटम नंबर

बॉलीवुड और टॉलीवुड फिल्मों में अक्सर प्रशंसकों का ध्यान खींचने के लिए एक स्पेशल सॉन्ग या फिर आइटम नंबर होता है, ताकि जिससे प्रशंसकों का ध्यान फिल्म की ओर और आकर्षित हो सके। हाल ही में पुष्पा 2 के फिल्म मेकर्स ने श्रीलीला के आइटम नंबर की पुष्टि की है। श्रीलीला के पहले भी कई अभिनत्रियां फिल्मों में आइटम नंबर में डांस का तड़का लगा चुकी हैं। बॉलीवुड और साउथ की अभिनेत्रियों ने कई फिल्मों में अपने आइटम नंबर्स से प्रशंसकों का दिल जीता है। इस लिस्ट में मलाइका अरोड़ा, सामंथा रुथ प्रभु, करीना कपूर के अलावा अब एक और नाम जुड़ गया है और वो है श्रीलीला।

अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म का पहला पार्ट ब्लॉकबस्टर रहा था। वहीं सीक्वल को लेकर भी प्रशंसक जबर्दस्त उत्साहित हैं। दर्शकों की उत्सुकता को बढ़ाने के लिए मेकर्स ने फिल्म में एक स्पेशन गाने को लेकर घोषणा कर दी है। साउथ सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री श्रीलीला पुष्पा 2- द रूल में एक स्पेशल गाने के जरिए दर्शकों का दिल जीतने वाली हैं। मेकर्स ने एक शानदार पोस्टर के साथ खुलासा किया है कि पुष्पा 2- द रूल में श्रीलीला एक स्पेशल सॉन्ग करती नजर आएंगी। पुष्पा 2 द रूल 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सामंथा रुथ प्रभु

श्रीलीला से पहले पुष्पा द राइज में सामंथा रुथ प्रभु ने अपने धमाकेदार आइटम नंबर से सभी का दिल जीत चुकी हैं। पुष्पा द राइज में अल्लू अर्जुन के साथ सामंथा ने ऊ अंटवावा गाने में जबर्दस्त डांस किया था, जो दर्शकों को बेहद पसंद आया था। यह गाना जब रिलीज हुआ तो काफी ट्रेंडिंग में रहा था। इस गाने में सामंथा और अल्लू के डांस और उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को बेहद पसंद आई थी।

करीना कपूर खान

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान वैसे तो फिल्मों में लीड रोल निभाने के लिए जानी जाती हैं। लेकिन उन्होंने सलमान खान की फिल्म दबंग 2 में फेविकोल गाने पर जबर्दस्त डांस किया था। इस गाने में करीना की केमिस्ट्री सलमान खान के साथ खूब जमी थी। करीना और सलमान के डांस ने सभी को हैरान कर दिया था। यह गाना भी काफी समय तक ट्रेंडिंग में रहा था।

मलाइका अरोड़ा

अब बात करते हैं मलाइका अरोड़ा की। मलाइका ने फिल्मों में कम ही अभिनय किया है। उन्होंने फिल्मों में आइटम नंबर्स ज्यादा किए हैं। उनका गाना मुन्नी बदनाम उनके बेहतरीन आइटम नंबर्स में से एक है। फिल्म दबंग का मुन्नी बदनाम गाना काफी प्रसिद्ध हुआ था। इस गाने में मलाइका और सलमान की लाजवाब केमिस्ट्री ने सभी का दिल जीत लिया था। इसके अलावा मलाइका ने और भी कई फिल्मों में आइटम नंबर्स किए हैं, जिनमें होठ रसीले और अनारकली डिस्को चली जैसे कई गाने शामिल हैं।

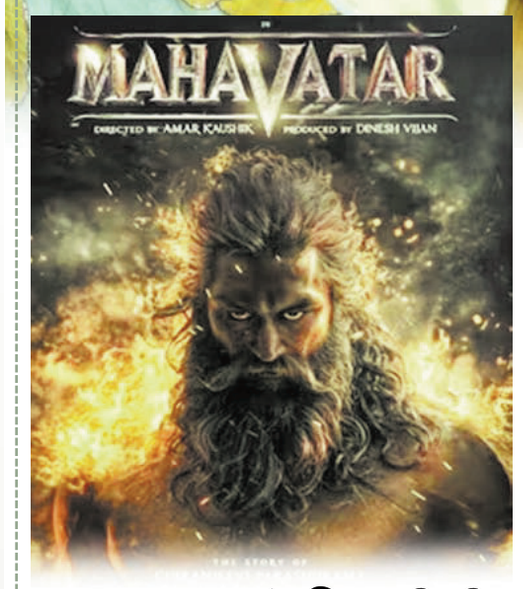

कानूनी पचड़े में फंसी रॉकी भाई की टॉक्सिक

बीते दिनों खबर आई थी कि अभिनेता यश की फिल्म टॉक्सिक पर संकट के बादल मंडराए हैं। कहा गया कि अभिनेता की फिल्म शूटिंग सेट निर्माण के लिए पेड़ों की अवैध कटाई को लेकर कानूनी विवाद में फंस गई है। पेड़ों की कटाई के मामले पर कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने आपत्ति जताते हुए अधिकारियों को आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश भी दिए। अब खबर आई है कि निर्माताओं के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है।

दर्ज हुई एफआईआर

रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु में फिल्म का सेट बनाने के लिए वन भूमि पर पेड़ों को अवैध रूप से काटने के आरोप में निर्माताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। केनरा बैंक के महाप्रबंधक और हिंदुस्तान मशीन टूल्स (एचएमटी) के महाप्रबंधक के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया। इससे पहले कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने बेंगलुरु के एचएमटी में वन क्षेत्र में यश की फिल्म टॉक्सिक की शूटिंग के लिए पेड़ों की अवैध कटाई की निंदा की। साइट निरीक्षण और सैटेलाइट इमेज की समीक्षा के बाद ईश्वर खंड्रे ने सख्त कानूनी कार्रवाई की घोषणा की। उन्होंने वन संरक्षण की आवश्यकता और संरक्षित क्षेत्रों में अनधिकृत गतिविधियों के लिए जवाबदेही पर जोर दिया। टॉक्सिक फिल्म के सेट के निर्माण के लिए पेड़ों की कथित अवैध कटाई पर, कर्नाटक के मंत्री ईश्वर खंड्रे ने एएनआई से बातचीत में कहा था, मैंने उस जगह (एचएमटी से संबंधित भूमि) का दौरा किया जहां बेंगलुरु में टॉक्सिक फिल्म की शूटिंग की जा रही है। मैंने कई लोगों को देखा। वहां पेड़ काटे गए थे। पिछले साल की सैटेलाइट तस्वीरों में उस इलाके में कई पेड़ देखे जा सकते हैं। मैंने क्क्स्क्क से इस मामले पर रिपोर्ट देने को कहा है। हम जांच के बाद उचित कार्रवाई करेंगे। हम बेंगलुरु में एक और लाल बाग या कब्बन पार्क जैसा पार्क बनाएंगे। उनके निर्देशों के बाद अब मामला दर्ज होने की खबर आई है।

अगले साल रिलीज होगी फिल्म

यश की मुख्य भूमिका वाली टॉक्सिक 2025 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। गीतू मोहनदास निर्देशित इस फिल्म की शूटिंग तेजी से चल रही है। इसमें कियारा आडवाणी भी नजर आएंगी। इसके अलावा नयनतारा, तारा सुतारिया, श्रुति हासन और हुमा कुरैशी के होने की खबर भी है। फिल्म में एक्शन का तगड़ा डोज दिया जाएगा। इसके लिए हॉलीवुड के एक्शन डायरेक्टर जेजे पेरी भी टीम से जुड़े हैं।

महावतार में चिरंजीवी परशुराम के रोल में विक्की कौशल का लुक जारी, इस दिन रिलीज होगी फिल्म

निर्देशक अमर कौशिक की फिल्म महावतार में विक्की कौशल चिरंजीवी परशुराम भगवान की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का पहला पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें विक्की के लुक की काफी प्रशंसा हो रही है। फिल्म महावतार योद्धा चिरंजीवी परशुराम की कहानी है। फिल्म में विक्की कौशल भगवान परशुराम की भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अमर कौशिक करेंगे।

फिल्म के पोस्टर और टीजर के साथ निर्देशक-निम्ता ने फिल्म महावतार की रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया है।

मैडॉक फिल्म्स-विक्की कौशल को सोशल पोस्ट

मैडॉक फिल्म्स और विक्की कौशल दोनों ने ही अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर आगामी फिल्म महावतार का पहला लुक जारी किया है, जिसे विक्की कौशल की फिल्मों में अब तक का सबसे धांसू और जबर्दस्त लुक कहा जा रहा है। इस लुक को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए मैडॉक फिल्म्स ने लिखा, दिनेश विजन धर्म के शाश्वत योद्धा की कहानी को जीवंत करेंगे। आगे लिखा, अमर कौशिक द्वारा निर्देशित प्रमहावतार में विक्की कौशल ने चिरंजीवी परशुराम की भूमिका निभाई है। यह फिल्म सिनेमाघरों में क्रिसमस के मौके पर साल 2026 को रिलीज होगी। महाभारत और विष्णुपुराण के अनुसार परशुराम का मूल नाम राम था किन्तु जब भगवान शिव ने उन्हें अपना परशु नामक अस्त्र प्रदान किया तभी से उनका नाम परशुराम हो गया।

'स्काई फोर्स' की कास्ट में शामिल हुईं निमरत कौर

निमरत कौर भारतीय सिनेमा की सबसे मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। अपने शानदार करियर के दौरान, कौर ने अलग-अलग तरह की भूमिकाएँ निभाकर अपनी क्षमता का परिचय दिया है। अब, अपनी उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ते हुए, ऐसा लगता है कि निमरत अगले साल रिलीज़ होने वाली आगामी फ़िल्म स्काई फोर्स में अक्षय कुमार के साथ काम करने वाली हैं। अफ़वाह है कि निमरत कौर एक अहम भूमिका निभाएँगी, जिससे फ़िल्म की गति बढ़ेगी और इसकी कहानी में गहराई आएगी। निमरत कौर के पास दमदार भूमिकाएँ निभाने का ट्रैक रिकॉर्ड है और वह फ़िल्म में नए आयाम तलाशने से न डरने वाली अभिनेत्री के तौर पर एक मिसाल हैं। एयरलिफ्ट, द लंचबॉक्स, सजनी शिंदे का वायरल वीडियो और अन्य फ़िल्मों में उनके अभिनय को लोगों ने देखा है। अक्सर महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नज़र आने वाली निमरत कौर ने अपने किरदारों के चयन के लिए दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों से सराहना हासिल की है। इस बीच, स्काई फोर्स एक आगामी युद्ध फ़िल्म है, जिसका निर्देशन प्रशंसित फ़िल्म निर्माता अभिषेक अनिल कपूर और संदीप केवलानी कर रहे हैं। अगर निमरत कौर के शामिल होने की अफवाहें सच होती हैं, तो वह अक्षय कुमार, सारा अली खान और वीर पहारिया जैसे अन्य लोगों के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नज़र आएंगी। स्काई फ़ोर्स 24 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

कंगुवा के अलावा इन फिल्मों में नजर आएंगे सूर्या, सूर्या 43-सूर्या 44-सूर्या 45 भी शामिल

साउथ अभिनेता सूर्या इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म कंगुवा को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। कंगुवा के अलावा सूर्या की कई फिल्में आने वाली हैं, जिनमें सूर्या 43, सूर्या 44 और सूर्या 45 शामिल हैं।

कंगुवा

साउथ सुपरस्टार सूर्या की फिल्म कंगुवा को लेकर प्रशंसकों में काफी उत्साह है। फिल्म का हिंदी ट्रेलर रिलीज किया जा चुका है। ट्रेलर में सूर्या और बॉबी देओल का खतरनाक लुक सभी को पसंद आया। वहीं फिल्म में दिशा पाटनी, नटराजन सुब्रमण्यम भी नजर आएंगे। वैसे देखा जाए तो फिल्म की झलक किसी हॉलीवुड से कम नहीं है।1 मिनट 30 सेकंड के इस ट्रेलर में कंगुआ की शक्ति को दर्शाया गया है। इसकी शुरुआत ही कंगुआ के बेहद खतरनाक डायलॉग से होती है। फिल्म 14 नवंबर को बाल दिवस पर रिलीज होगी। यह सूर्या की 42वीं फिल्म है।

सूर्या 43

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्देशक सुधा कोंगारा और अभिनेता सूर्या का आगामी प्रोजेक्ट सूर्या 43 है, जिसे पुरननूरू के नाम से भी जाना जाता है। सूर्या के अलावा इस फिल्म में दुलकर सलमान, माधवन, विजय नजर आएंगे।

सूर्या 44

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सूर्या 44 कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित एक ड्रामा तमिल फिल्म होगी, फिल्म की स्टार कास्ट में सूर्या शिवकुमार और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिका में हैं। यह एक रोमांटिक एक्शन ड्रामा फिल्म होगी। इसे स्टोन बेंच फिल्म्स और 2डी एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित किया जाएगा। फिल्म में सूर्या और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में हैं। सूर्या के अलावा जयराम, जोजू जॉर्ज, करुणाकरण, नासर, प्रकाश राज, सुजीत शंकर, थमिज और प्रेम कुमार नजर आएंगे। फिल्म की आधिकारिक घोषणा मार्च 2023 में अस्थायी शीर्षक सूर्या 44 के तहत की गई थी, क्योंकि यह अभिनेता की मुख्य अभिनेता के रूप में 44वीं फिल्म है। फिल्म की शूटिंग अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, ऊटी, केरल और चेन्नई में हुई है।

सूर्या 45

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सूर्या 45 एक एक्शन तमिल फिल्म है, जिसका निर्देशन आरजे बालाजी ने किया है। सूर्या 45 की आधिकारिक तौर पर पूजा समारोह के साथ शुरुआत हुई थी और फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन स्टेज पर है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बालाजी इस फिल्म की स्क्रिप्ट पर एक साल से अधिक समय से काम कर रहे हैं और शूटिंग स्थानों को अंतिम रूप देने के लिए कई जगहों का दौरा कर चुके हैं।

जान्हवी कपूर को पसंद आई वरुण धवन की सिटाडेलः हनी बन्नी

हालिया रिलीज वेब सीरीज सिटाडेल- हनी बन्नी में वरुण धवन और सामंथारूथ प्रभु एक साथ नजर आए हैं। इस सीरीज में दोनों के अभिनय को काफी पसंद किया जा रहा है। जिस वजह से सीरीज को सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिली हैं। अमेजन प्राइम वीडियो के पोस्ट के मुताबिक ये शो दुनिया भर में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली सीरीज की सूची में शीर्ष स्थान अर्जित किया है। अब इस सीरीज को लेकर अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने भी समीक्षा की है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर सिटाडेल- हनी बनी की पूरी टीम को धन्यवाद दिया है। इसमें उन्होंने लिखा, क्या शानदार शो है, दुनिया को हिलाकर रख दिया, बहुत खुश हूं, इतनी मेहनत का फल इतना प्यार मिला।